भारतीय जन संचार संस्थान
Indian Institute of Mass Communication
(Deemed to be University)

स्नातकोत्तर डिप्लोमा
हिंदी पत्रकारिता

पाठ्यक्रम विवरणिका
2025-26

पत्रकारिता में
स्नातकोत्तर डिप्लोमा (हिन्दी) पाठ्यक्रम सत्र 2025-26

भारतीय भाषा (हिन्दी) पत्रकारिता विभाग

“आ नो भद्रा: क्रतवो यन्तु विश्वत:"

(ऋग्वेद 1-89-1)

"हमारे लिए सभी दिशाओं से कल्याणकारी विचार आते रहें"

Let noble thoughts come to us from every side.

भारतीय जन संचार संस्थान

सम विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

“आ नो भद्रा: क्रतवो यन्तु विश्वत:"

(ऋग्वेद 1-89-1)

"हमारे लिए सभी दिशाओं से कल्याणकारी विचार आते रहें"

Let noble thoughts come to us from every side.

‘आप्तोपदेशः शब्दः’

☛ **अर्थ- आप्त पुरुषों अर्थात श्रेष्ठ आचरण करने वाले ज्ञानी-मनीषियों का कथन ‘शब्द’ नामक प्रमाण कहा जाता है।**

(न्याय दर्शन, प्रथम अध्याय, प्रथम आह्निक, सूत्र क्रमांक: 07)

☛ **“पत्रकारिता का मुख्य ध्येय सेवा है...पत्रकारिता का असली काम जनता के मष्तिष्क को शिक्षित करना है न कि उसे जरूरी और गैर-जरूरी धारणाओं से भर देना है..”**

मोहनदास करमचन्द गाँधी

☛ **“जो वाक्य असत्य, दु:खदायी और खोटा हो, उसको किसी भी अवस्था में मुंह से न निकालना, यह वाणी का सात्विक तप है...”**

महामना मदन मोहन मालवीय

भारतीय जन संचार संस्थान
नई दिल्ली

भारतीय जन संचार संस्थान के मुख्य उद्देश्य :

क) देश के सामाजिक और आार्थिक विकास की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संचार-माध्यमों के उपयोग और विकास के लिए शोध कार्य और प्रशिक्षण आयोजित करना।

ख) केन्द्र और राज्य सरकारों के सूचना और प्रसारण अधिकारियों को प्रशिक्षण देना। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सूचना और प्रचार संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए शोध और प्रशिक्षण की सुविधाएँ जुटाना।

ग) विभिन्न विश्वविद्यालयों, शैक्षिक एवं शोध संस्थानों और व्यापार एवं उद्योग क्षेत्रों के सहयोग से संचार, सूचना और प्रचार की समस्याओं पर व्याख्यान, कार्यशालाएँ और संगोष्ठियाँ आयोजित करना।

घ) उन्मुखीकरण और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, ग्रीष्मकालीन कार्यशालाएँ और संचार के क्षेत्र में देश-विदेश के विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित करना।

सत्र 2025-26 के लिए शैक्षिक कैलेंडर

1.	**सत्र का प्रारम्भ** **(Commencement of Session)**	**5 अगस्त, 2025** **(5th August 2025)**
2.	**पंजीकरण एवं दस्तावेज़ सत्यापन** **Registration & Document Verification at Delhi Campus**	**5 और 6 अगस्त, 2025** **(5th and 6th August, 2025)**
3.	**सत्रारंभ व्याख्यान** **Orientation Lectures**	**7 और 8 अगस्त, 2025** **(7th and 8th August, 2025)**
4.	**कक्षाएं प्रारंभ** **Commencement of Classes**	**11 अगस्त, 2025** **11th August, 2025**
5.	**आंतरिक असाइनमेंट आदि।** **Internal assignments etc.**	**8 से 12 दिसंबर, 2025** **8th to 12th December, 2025**
6.	**प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं** **First semester examinations**	**15-19 दिसंबर, 2025** **15th to 19th December, 2025**
7.	**सेमेस्टर अंतराल** **Semester end break**	**20 दिसंबर, 2025 से 04 जनवरी, 2026** **20th December, 2025 to 04th January 2026**
8.	**द्वितीय सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ** **Commencement of Second semester classes**	**05 जनवरी, 2026** **05th January, 2026**
9.	**आंतरिक असाइनमेंट आदि।** **Internal assignments etc.**	**13 से 17 अप्रैल, 2026** **13th to 17th April, 2026**
10.	**दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं** **Second semester examinations**	**20 से 24 अप्रैल, 2026** **20th to 24th April, 2026**
11.	**एक माह की अनिवार्य इंटर्नशिप/प्लेसमेंट** **One-month compulsory Internship/Placement**	**मई 2026** **May 2026**
12.	**इंटर्नशिप प्रमाणपत्र जमा करना** **Submission of internship certificates**	**31 मई, 2026** **31st May, 2026**
13.	**अंतिम परिणाम की घोषणा** **Announcement of final result**	**अंतिम सप्ताह, मई, 2026** **Last week of May 2026**

- **पहले सेमेस्टर की उपस्थिति 5 दिसंबर, 2025 तक गिनी जाएगी।**
- **दूसरे सेमेस्टर की उपस्थिति 10 अप्रैल, 2026 तक गिनी जाएगी।**

टिप्पणी:

1. हिन्दी में पत्रकारिता का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम 5 अगस्त, 2025 को प्रारम्भ होगा और 31 मई, 2026 तक चलेगा।
2. शैक्षिक वर्ष को दो सत्रों में बांटा गया है। पहला सत्र 5 अगस्त, 2025 से 19 दिसंबर, 2025 तक और दूसरा सत्र 05 जनवरी, 2026 से 31 मई, 2026 तक चलेगा। पहले और दूसरे सत्र के बीच 20 दिसंबर, 2025 से 04 जनवरी, 2026 तक 16 दिनों की सत्रांत छुट्टी होगी। अपरिहार्य परिस्थितियों में प्रशासन उपर्युक्त शैक्षिक कैलेंडर में परिवर्तन कर सकता है।
3. इस सत्र में आमतौर पर सप्ताह के पांच दिन (सोमवार से शुक्रवार) रोज़ाना लगभग 3 घंटे सैद्धांतिक कक्षाएं और लगभग दो से तीन घंटे प्रायोगिक कक्षाएं, एसाइनमेंट, प्रस्तुति, सामूहिक चर्चाएँ आदि होंगी। अपवाद स्वरूप कभी-कभी शनिवार को भी कुछ कक्षाएं हो सकती हैं। संस्थान की ओर से भी क्रमवार विशेष व्याख्यान भी आयोजित होंगे। महीने के दो शनिवार फील्ड वर्क और एसाइनमेंट के होंगे।

4. पहले सत्र में मुख्य तौर पर पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्र संख्या- 1, 2, 3 और 4 की पढ़ाई और कक्षाएं होंगी। इसके साथ ही पहले सत्र में पहले, पांचवें और छठे प्रश्नपत्र से संबंधित प्रायोगिक कक्षाएं और वर्कशॉप भी आयोजित किए जायेंगे जो दूसरे सत्र में भी जारी रहेंगे। दूसरे सत्र में मुख्यतः 7, 8, 9 और 10वें प्रश्न पत्र की कक्षाएं होंगी। लेकिन पहले, 5वें, 6वें, 7वें, 8वें, 9वें और 10वें प्रश्न पत्र के कुछ खण्डों का अध्ययन, कक्षाएं और व्यावहारिक कार्य दोनों सत्रों में कराए जाएंगे। पहले पेपर की 30 अंकों की शोध परियोजना को दूसरे सेमेस्टर में जमा करना होगा। पांचवें और छठवें प्रश्नपत्र की प्रायोगिक/असाइनमेंट परीक्षा के लिए 100-100 अंक निर्धारित होंगे। इन दोनों प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं प्रथम सत्र के अंत में 50-50 अंकों की और द्वितीय सत्र के अंत में 50-50 अंकों की होंगी।
5. सत्रांत परीक्षा के साथ विद्यार्थियों का निरंतर मूल्यांकन भी होगा। इसके तहत पहले सत्र की परीक्षाएं 15-19 दिसंबर, 2025 और दूसरे सत्र की परीक्षाएं 20 से 24 अप्रैल, 2026 तक होंगी। पाठ्यक्रम के हर प्रश्नपत्र में अलग-अलग माड्यूल की कक्षाओं के साथ निरंतर मूल्यांकन प्रक्रिया भी जारी रहेगी। निरंतर मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत विद्यार्थियों को असाइनमेंट, कक्षा प्रस्तुति, त्वरित परीक्षा, क्विज आदि में हिस्सा लेना होगा, जिसका संकाय और अतिथि संकाय सदस्य मूल्यांकन करेंगे। अगर विद्यार्थी इसमें हिस्सा नहीं लेते हैं और इसके अंतर्गत दिए गए असाइनमेंट और दूसरे टास्क समय पर पूरा नहीं करते हैं और उसे मूल्यांकन के लिए विभाग में जमा नहीं करते हैं तो उनका मूल्यांकन नहीं होगा और इसके परिणाम के लिए वे खुद जिम्मेदार होंगे।
6. पहले सत्र में प्रशिक्षुओं को जहाँ तक संभव हो, पत्रकारिता की विभिन्न अवधारणाओं और विधाओं की समझ बना लेनी चाहिए ताकि दूसरे सत्र में वह पत्रकारिता के व्यावहारिक पहलुओं पर ज्यादा ध्यान दे सकें।
7. सिद्धांत पक्ष और व्यावहारिक पक्ष दोनों का मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकन हर सत्र में होगा। दोनों सत्रों के प्राप्तांकों का योग अन्त में किया जाएगा। हर प्रशिक्षु को उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र के सैद्धांतिक, प्रायोगिक और कुल योग में कम से कम 40 प्रतिशत अंक लाने होंगे।
8. दूसरे सेमेस्टर के अंत में, प्रत्येक छात्र को किसी अन्य मीडिया संगठन के साथ एक महीने (1 मई, 2026 से 31 मई, 2026 तक) इंटर्नशिप करनी होगी और इंटर्नशिप की अवधि के दौरान अपने प्रदर्शन पर संबंधित संगठन से प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा।
9. हर प्रशिक्षु की सैद्धांतिक और अभ्यास की सभी कक्षाओं में उपस्थिति जरूरी है। किसी भी स्थिति में कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। कक्षा से अनुपस्थिति के लिए प्रशिक्षु को अग्रिम लिखित अनुमति लेनी होगी। विशेष परिस्थितियों में अनुपस्थिति के बाद उसकी मंजूरी के लिए लिखित आवेदन जरूरी है।
10. पाठ्यक्रम के लिए कम्प्यूटर की जानकारी अनिवार्य है। अपेक्षा होगी कि प्रशिक्षु वर्ड प्रोसेसिंग, ग्राफिक्स, इन-डिजाइन, फोटोशॉप संबंधी कौशलों में दक्षता हासिल करें। इनकी मदद से संपादन, पेज बनाने और अन्य उपयोगी कौशल जल्द-से-जल्द विकसित कर लें। प्रशिक्षुओं को किसी भी स्थिति में प्रारंभिक चार सप्ताह में कम्प्यूटर दक्षता (वर्ड प्रोसेसिंग और टाइपिंग) हासिल कर लेनी होगी और अपने असाइनमेंट टाइप करके जमा करने होंगे। चार सप्ताह के बाद उनसे सिर्फ टाइप्ड असाइनमेंट स्वीकार किए जायेंगे। प्रशिक्षुओं को सभी असाइनमेंट मौलिक रूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य रूप से अपेक्षित है। असाइनमेंट तैयार करने में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का प्रयोग, किसी समाचार पत्र या वेबसाइट पर पहले से प्रकाशित सामग्री का हूबहू प्रयोग अनैतिक है अतएव (इस संदर्भ में) वर्जित है।
11. प्रशिक्षुओं से यह अपेक्षा है कि वह संस्थान की गरिमा को ध्यान में रखते हुए अनुशासन संबंधी नियमों का पूरी निष्ठा से पालन करें। इस संबंध में निम्नलिखित निर्देशों का पूरा ध्यान रखें:

- कक्षा में मोबाइल फ़ोन के इस्तेमाल (बिना अनुमति फोटोग्राफी, ऑडियो-विडियो रिकॉर्डिंग), उस पर बात करने की अनुमति नहीं है। इसी तरह संस्थान के अंदर, कॉरीडोर, पुस्तकालय, कम्प्यूटर कक्ष और मंच में मोबाइल फ़ोन का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित है।
- कक्षाओं के दौरान विद्यार्थी फार्मल ड्रेस में रहें एवं विद्यार्थियों से अपेक्षा होगी कि वे कक्षाओं के शिष्टाचार का पूरी तरह से पालन करेंगे। संस्थान में धूम्रपान और पान-गुटके आदि का प्रयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है।
- संकाय सदस्यों, अतिथि संकाय, कर्मचारियों और सहपाठियों के साथ आदरपूर्वक, विनम्रतापूर्ण व्यवहार अपेक्षित और अनिवार्य है।
- किसी भी प्रकार का अशालीन व्यवहार, अपशब्द, जाति या संप्रदाय आधारित टिप्पणी और महिलाओं पर छींटाकशी और उनके साथ दुर्व्यवहार को अक्षम्य अनुशासनहीनता माना जाएगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनिक कार्रवाई की जायेगी।

लैब जर्नल के नियम-

1. आठ से दस छात्रों के प्रत्येक समूह को कम से कम 10 प्रायोगिक समाचार पत्र निकालने होंगे। यह प्रायोगिक पत्र प्रशिक्षुओं के मूल्यांकन का आधार होंगे।
2. प्रत्येक लैब जर्नल के संपादक अलग-अलग विद्यार्थी होंगे, जिससे कि सभी विद्यार्थियों को संपादन के कार्य एवं दायित्वों को सीखने-समझने का अवसर मिले। प्रूफ रीडिंग, फोटो एडिटिंग और डिजाइनिंग जैसी जिम्मेदारियां भी टीम के सदस्यों की सहमति से आपस में बदलती रहनी चाहिए।
3. प्रत्येक लैब जर्नल की विषय-वस्तु मीडिया कानून एवं नैतिकता को ध्यान में रखकर चयनित की जाए, लिखी और संपादित की जाए।
4. अपने संस्थान और विभाग की गरिमा को सर्वोपरि रखते हुए उससे संबंधित समाचार या स्टोरी बगैर उपयुक्त प्राधिकारी की अनुमति के लैब जर्नल में प्रकाशन का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए।
5. प्रत्येक लैब जर्नल को विभाग द्वारा बताये गये समय पर विभाग के आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजना अनिवार्य है एवं निर्धारित समय पर कक्षा में मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करना है।
6. आवश्यकता पड़ने पर रिपोर्टिंग/कवरेज के अभ्यास क्रम में दिल्ली/एनसीआर में अधिकतम 2 दिनों के लिए जाया जा सकता है, इसके लिए कोर्स निदेशक/प्रभारी अध्यापक से लिखित रुप में अनुमति लेना आवश्यक है। प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में एक-एक बार (पूरे पाठ्यक्रम के दौरान कुल 2 बार) रिपोर्टिंग/कवरेज पर जाने की अनुमति मिल सकती है। रिपोर्टिंग समाप्त होने के अगले कार्य दिवस में संबंधित रिपोर्ट उचित प्रारूप में विभाग में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम दृष्टिकोण:

यह पाठ्यक्रम पत्रकारिता और संचार में व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिसमें सैद्धांतिक ज्ञान को कई क्षेत्रों में व्यावहारिक कौशल के साथ एकीकृत किया जाता है। इसमें संचार सिद्धांत और अनुसंधान, पत्रकारिता का इतिहास और नैतिकता, रिपोर्टिंग और संपादन के तरीके, मीडिया प्रबंधन, विज्ञापन, जनसंपर्क और कॉर्पोरेट संचार के अध्ययन शामिल हैं। डिजिटल और प्रसारण पत्रकारिता के साथ-साथ विकास पत्रकारिता में विशेष पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों को गतिशील मीडिया परिदृश्य के लिए तैयार करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे कुशल, जानकार और नैतिक रूप से जिम्मेदार मीडिया पेशेवर के रूप में उभरें।

कार्यक्रम के उद्देश्य (Programme Objectives):

- भारतीय भाषाओं में पत्रकारिता विशेषतः हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका, परम्परा, ऐतिहासिक विकास, योगदान, चुनौती और संभावनाओं से प्रशिक्षुओं को अवगत कराना।
- पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रवेश और विभिन्न पत्रकारीय दायित्वों को संभालने की दृष्टि से संचार और पत्रकारिता के आवश्यक सिद्धांतों, परिप्रेक्ष्यों, चुनौतियों, अधिकारों, जिम्मेदारियों, सीमाओं, कानूनों और आचार संहिता की समझ पैदा करना।
- पत्रकारिता के क्षेत्र में कुशलतापूर्वक काम करने की सामर्थ्य पैदा करने के लिए प्रशिक्षुओं की आलोचनात्मक समझ, ज्ञान, संवाद कौशल और पत्रकारीय कौशल को सशक्त बनाना।
- विद्यार्थी प्रशिक्षुओं में पत्रकारीय कार्य से संबंधित समस्याओं के हल, सृजनात्मकता, नवोन्मेष और उद्यमी प्रवृत्ति को विकसित करने और उसे प्रोत्साहित करने के अनुकूल माहौल बनाना।
- शिक्षार्थियों को विभिन्न संचार सिद्धांतों को समझने और लागू करने तथा विस्तृत शोध करने में सक्षम बनाना।
- शिक्षार्थियों को रिपोर्टिंग की मूलभूत अवधारणाओं, प्रक्रियाओं और तकनीकों में प्रशिक्षित करना, ताकि वे सटीक, आकर्षक और अच्छी तरह से शोध आधारित समाचार/कहानियों का लेखन/निर्माण कर सकें।
- संपादन की अवधारणाओं, प्रक्रियाओं और तकनीक में शिक्षार्थियों के कौशल को विकसित करना, यह सुनिश्चित करना कि वे स्पष्ट, सुसंगत और प्रभावी समाचार सामग्री तैयार कर सकें।
- व्यावहारिक/असाइनमेंट के माध्यम से रिपोर्टिंग/संपादन में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना, जिससे शिक्षार्थी पत्रकारिता के लिए आवश्यक कौशल को निखार सकें।
- मीडिया प्रबंधन, विज्ञापन रणनीति, जनसंपर्क तकनीक और कॉर्पोरेट संचार का गहन ज्ञान प्रदान करना, मीडिया उद्योग में विभिन्न भूमिकाओं के लिए शिक्षार्थियों को तैयार करना।

- रेडियो, टेलीविजन जैसे प्रसारण पत्रकारिता के क्षेत्र और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से समाचारों के लेखन/निर्माण/प्रसारण/प्रस्तुति में शिक्षार्थियों को प्रशिक्षित करना।
- विद्यार्थियों में सामाजिक-आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मुद्दों के प्रति संवेदनशील लेखन और कौशल विकास के साथ देश की एकता-अखंडता और तत्संबंधी खतरों, चुनौतियों के प्रति सूचनात्मक पत्रकारीय जागरूकता विकसित करना ताकि खतरों और चुनौतियों के प्रति सजग व समाधानपरक पत्रकारिता का विकास हो। राष्ट्रीय चेतना एवं सामाजिक समता- समरसता, भ्रातृत्व की भावना, मानवीय संवेदना के विकास समेत संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरुकता बढ़ाने में पत्रकारिता का सार्थक उपयोग करना।
- शिक्षार्थियों को डिजिटल पत्रकारिता परिदृश्य में नेविगेट करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने, समाचार रिपोर्टिंग, कहानी कहने के लिए डिजिटल उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के उपयोग के कौशल से युक्त करना।

कार्यक्रम सीखने के परिणाम (Programme Learning Outcomes:

कार्यक्रम के सफल समापन के बाद शिक्षार्थी निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

- ☞ संचार सिद्धांतों का आलोचनात्मक विश्लेषण करने और अपनी परियोजनाओं में शोध पद्धतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने की क्षमता प्रदर्शित कर विद्यार्थी अच्छी तरह से शोध रिपोर्ट तैयार करने में सक्षम होंगे।
- ☞ पत्रकारिता के ऐतिहासिक संदर्भ, कानूनी ढाँचे और नैतिक मानकों की गहन समझ प्रशिक्षु विद्यार्थियों में विकसित होने से समकालीन मीडिया/प्रकाशनों/प्रसारण को प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।
- ☞ सटीक और आकर्षक समाचार लेख तैयार करने के लिए समाचार एकत्रीकरण, साक्षात्कार और समाचार/फीचर लेखन सहित रिपोर्टिंग/संपादन में कौशल उन्नत होगा।
- ☞ उच्च गुणवत्ता वाली पत्रकारिता को सुनिश्चित करने के लिए सटीक, स्पष्ट और सुसंगत संपादन का लक्ष्य प्राप्त होगा।
- ☞ प्रमाणिक रिपोर्टिंग के लिए व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा, अच्छी तरह से शोध आधारित समाचार, सामयिक/तात्कालिक रिपोर्ट/फीचर आदि लेखन/निर्माण करने की क्षमता बढ़ेगी।
- ☞ पत्रकारिता सामग्री के आलोचनात्मक मूल्यांकन और परिशोधन करने की विद्यार्थियों की क्षमता में प्रवीणता आएगी।
- ☞ मीडिया उद्योग के भीतर विविध भूमिकाओं के लिए मीडिया प्रबंधन सिद्धांतों, विज्ञापन रणनीतियों, पीआर तकनीकों और कॉर्पोरेट संचार कौशल के अभ्यास से विद्यार्थियों की संगठन क्षमता बढ़ेगी।
- ☞ रेडियो, टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर समाचारों के लेखन/प्रदर्शन और वितरण में प्रवीणता प्राप्त करते हुए प्रसारण पत्रकारिता के लिए आवश्यक कौशल विकसित होगा।
- ☞ सामाजिक-आर्थिक विकास एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े प्रयोगों, कार्यक्रमों, समाचारों की सूचनात्मक/तथ्यात्मक समझ बढ़ेगी। लेखन सामग्री निर्माण में मानवीय संवेदनशीलता का विकास होगा।
- ☞ केवल समस्या कथन या उसके प्रसारण की बजाय समाधानपरक, आलोचनात्मक रिपोर्टिंग/लेखन विधा के प्रति जागरुकता आएगी। देश की एकता-अखंडता से संबंधित खतरों, चुनौतियों के प्रति सूचनात्मक/तथ्यात्मक समझ बढ़ेगी।
- ☞ समाधानपरक पत्रकारिता का मार्ग विकसित होगा। सामाजिक भाईचारा और मानवीय संवेदना के प्रति विद्यार्थी सजग होंगे।
- ☞ वेब डिज़ाइन, सामग्री निर्माण, सोशल मीडिया इंटरैक्शन, समाचार रिपोर्टिंग और फीचर आदि समाचार सामग्री के निर्माण के लिए डिजिटल टूल के प्रभावी उपयोग में दक्षता प्राप्त करना/डिजिटल पत्रकारिता में विशेषज्ञता प्राप्ति।

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (हिन्दी) पाठ्यक्रम की रूपरेखा*

	Course Code	Course Title	L*	T*	P*	Total Credits	Marks		
							Theory	Practical	Total
सेमेस्टर I	PGDHJ001(A)	संचार सिद्धांत एवं संचार शोध # शोध प्रस्ताव और *सारांश एक क्रेडिट का होगा; शोध परियोजना तीन क्रेडिट की होगी और इसका मूल्यांकन दूसरे सेमेस्टर में किया जाएगा।	3	-	1#	4	60	10	70
	PGDHJ002	पत्रकारिता की अवधारणा, प्रेस का इतिहास, प्रेस विधि एवं नैतिकता	3	-	1	4	75	25	100
	PGDHJ003	समाचार लेखन : अवधारणा और प्रक्रिया	3	1	-	4	100	-	100
	PGDHJ004	संपादन: अवधारणा और प्रक्रिया	3	1	-	4	100	-	100
	PGDHJ005(A)	समाचार लेखन : व्यावहारिक अभ्यास	-	-	2	2	-	50	50
	PGDHJ006(A)	संपादन: व्यावहारिक अभ्यास	-	-	2	2	-	50	50

	Course Code	Course Title	L*	T*	P*	Total Credits	Theory Marks	Practical Marks	Total Marks
सेमेस्टर II	PGDHJ001(B)	शोध परियोजना	-	-	3#	3	-	30	30
	PGDHJ005(B)	समाचार लेखन : व्यावहारिक अभ्यास	-	-	2	2	-	50	50
	PGDHJ006(B)	संपादन: व्यावहारिक अभ्यास	-	-	2	2	-	50	50
	PGDHJ007	जनसंपर्क, विज्ञापन और मीडिया प्रबंधन	3	-	1	4	70	30	100
	PGDHJ008	प्रसारण पत्रकारिता	3	-	1	4	60	40	100
	PGDHJ009	विकास पत्रकारिता	3	-	1	4	70	30	100
	PGDHJ010	डिजिटल पत्रकारिता	3	-	1	4	60	40	100
		Internship Report	-	-	2	2	-	-	-
	TOTAL					45			1000

***सारांश- सारांश के अंतर्गत विद्यार्थियों को अपने लिखित शोध प्रस्ताव के साथ ही इसे संक्षेप में लिखित रूप में भी प्रस्तुत करना होगा।**

***L- व्याख्यान** ***T- ट्यूटोरियल** ***P- व्यावहारिक अभ्यास**

टिप्पणी:

- सैद्धांतिक प्रश्नपत्रों हेतु एक क्रेडिट के लिए 15 घंटों की कक्षा/व्याख्यान एवं व्यावहारिक प्रश्नपत्रों हेतु एक क्रेडिट के लिए 30 घंटों का अभ्यास/कार्यशाला निर्धारित है। अर्थात साप्ताहिक रूप से सैद्धांतिक प्रश्नपत्रों में एक क्रेडिट के लिए प्रतिसप्ताह एक क्लास और प्रायोगिक में एक क्रेडिट के लिए न्यूनतम दो कक्षाएं प्रतिसप्ताह न्यूनतम निर्धारित हैं।
- अंकों का यह विभाजन सिर्फ अध्यापन और मूल्यांकन की सुविधा के लिए किया गया है। जैसा कि स्पष्ट किया जा चुका है कि सभी विषयों और उनमें उल्लिखित माड्यूल्स का नियमित और सत्रांत परीक्षा के जरिये मूल्यांकन किया जाएगा जिसमें सैद्धांतिक प्रश्न/क्विज/असाइनमेंट/प्रस्तुति आदि से लेकर उसके व्यावहारिक असाइनमेंट/प्रस्तुति/चर्चा/रिपोर्ट लेखन/संपादन आदि तक शामिल हैं। विद्यार्थियों को दोनों (सैद्धां_तिक और प्रायोगिक) तरह के असाइनमेंट या परीक्षा के लिए तैयार रहना चाहिए।

प्रथम प्रश्नपत्र
PGDHJ001(A) एवं PGDHJ001(B)

संचार सिद्धांत एवं संचार शोध

प्रथम सेमेस्टर PGDHJ001(A)-70 अंक **अंक 100 : सैद्धांतिक 60, प्रायोगिक 40**
द्वितीय सेमेस्टर PGDHJ001(B)-30 अंक **क्रेडिट:4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- ❖ संचार/जनसंचार की अवधारणा, उसकी प्रक्रिया और सिद्धांतों से अवगत कराना।
- ❖ संचार में भाषा की भूमिका और उसके महत्त्व को रेखांकित करना।
- ❖ संचार और जनमाध्यम शोध, उसके महत्व और उसकी पद्धतियों एवं उपयोग का परिचय देना

खंड–1 **5 अंक**

संचार की अवधारणा और प्रक्रिया

- संचार : अवधारणा और प्रक्रिया, संचार के तत्व, कार्य और सामाजिक भूमिका
- संचार के प्रकार : अन्तःवैयक्तिक, अन्तर्वैयक्तिक, समूह संचार और जनसंचार (परिभाषा, विशेषताएं, कार्य और सामाजिक भूमिका),
- शाब्दिक और मौखिक संचार, संचार में अवरोध, दैहिक संकेतों एवं अन्य संकेतकों/चिन्हों/प्रतीकों का महत्व
- संचार कौशल : आवश्यकता, महत्त्व, विभिन्न अवयव और उनका अभ्यास

खंड–2 **10 अंक**

संचार के प्रमुख प्रतिरूप (मॉडल)

- शास्त्रीय (क्लासिकल), मध्यवर्ती (इंटरमिडियरी), अंतःक्रियात्मक (इंटरैक्टिव), आदान-प्रदान (ट्रांजैक्शन) मॉडल
- अरस्तू (एरिस्टोटल) की वक्तृत्व (रेटरिक) संबंधी परिभाषा, लासवेल का मॉडल, बर्लो का एसएमसीआर मॉडल, चार्ल्स ऑसगूड मॉडल
- शैनन-वीवर का गणितीय मॉडल
- न्यूकॉम्ब का संचार मॉडल, जॉर्ज गर्बनर का मॉडल
- विल्बर श्रैम का अंतःक्रियात्मक (इंटरेक्टिव) मॉडल
- डांस का हेलिकल स्पाइरल मॉडल और पारिस्थितिकीय (इकोलॉजिकल) मॉडल
- महात्मा गांधी प्रणीत सर्वोदय संचार मॉडल, एकात्म मानव दर्शन आधारित संचार मॉडल
- भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित नाद-ब्रह्म मॉडल एवं चित्त वृत्ति मॉडल (उपाध्याय/ दहिया, आईआईएमसी, नई दिल्ली)

खंड-3 **15 अंक**

जनसंचार के सिद्धान्तों का विकास

- प्रेस के चार सिद्धांत (प्रभुत्ववादी सिद्धांत, उदारवादी सिद्धांत, सामाजिक उत्तरदायित्व का सिद्धांत, साम्यवादी सिद्धांत), विकासात्मक, लोकतांत्रिक सहभागिता सिद्धांत
- मीडिया का प्रभाव (मीडिया इफेक्ट) : हाइपोडर्मिक नीडल, टू-स्टेप/मल्टी स्टेप फ्लो सिद्धांत, गेट कीपिंग
- मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय संचार सिद्धांत: आलोचनात्मक और सांस्कृतिक सिद्धांत
- मार्शल मैक्लुहान के मीडिया दृष्टिकोण की मीमांसा
- भारतीय ज्ञान परंपरा में संचार और उसके सिद्धांत: अवधारणा और प्रक्रिया, सहृदय और साधारणीकरण; नाट्य शास्त्र; रस एवं ध्वनि सिद्धांत के संबंध में भरतमुनि और अभिनव गुप्त का योगदान, अन्य प्राचीन भारतीय दार्शनिक संचारक यथा- देवर्षि नारद, महर्षि वेदव्यास, महर्षि वाल्मीकि आदि
- अंतरराष्ट्रीय संचार व्यवस्था और उससे जुड़े सिद्धांत : सूचना का प्रवाह, सूचना का साम्राज्यवाद, प्रोपगैंडा, विश्व में सूचना और संचार की नई

व्यवस्था (मैनी वॉयसेस वन वर्ल्ड), वैश्वीकरण और नए विमर्श, सॉफ्ट पावर (सांस्कृतिक शक्ति) का महत्व

खंड–4 **10 अंक**

भाषा और जनसंचार

- भाषा के विकास प्रक्रिया में चिन्ह, प्रतीक और लिपि : उद्भव, विकास, प्रसार और मानकीकरण
- समाज में भाषा का महत्व : राष्ट्र निर्माण में भाषा की भूमिका
- जनसंचार प्रक्रिया में भाषा की भूमिका
- हिन्दी भाषा का उद्भव, विस्तार और चुनौतियाँ
- मीडिया साक्षरता : अवधारणा, भूमिका, महत्व और भारतीय सन्दर्भों में प्रासंगिकता
- मीडिया साक्षरता : तकनीक और उसके उपकरण

खंड–5 **(सैद्धांतिक: 10 अंक+ प्रायोगिक: 10 अंक)** **20 अंक**

क- संचार/मीडिया शोध

- संचार शोध : अवधारणा, तत्व, रूपरेखा और विधियाँ
- शोध का क्षेत्र, शोध समस्या, शोध उपकल्पना
- साहित्य समीक्षा/संबंधित अध्ययन और विश्लेषण
- शोध के प्राथमिक और सहायक स्रोत
- चरः आश्रित, स्वतंत्र और मध्यवर्ती
- प्रतिदर्श (सैंपलिंग) तकनीक : प्रतिदर्श चयन के तरीके : संभाव्यता/असंभाव्यता

ख- संचार शोध प्रविधि **10 अंक**

- गुणात्मक और मात्रात्मक शोध विधियाँ
- डेटा संग्रह और सर्वेक्षण शोध विधियाँ
- प्रश्नावली : संरचनात्मक और अर्धसंरचनात्मक, केस स्टडी, प्रवेश और विकास विधि
- गुणात्मक शोध विधियाँ निरीक्षण, आईडीआई, एफजीडी, माध्यम के कथ्यों की प्राइमिंग और फ्रेमिंग
- पीएलए विधियाँ
- डेटा विश्लेषण : डेटा कोडिंग, वर्गीकरण और व्याख्या
- इम्पैक्ट रिसर्च और ऑडिएंस स्टडीज
- विषयवस्तु विश्लेषण और पाठ आधारित विश्लेषण
- ऑडिएंस रिसेप्शन स्टडीज, न्यू मीडिया रिसर्च
- रेटिंग्स रिसर्च : पीपल मीटर्स, डायरी, टेलीफोन सर्वे, ओपीनियन पोल, एमएपी, टेम, टीआरपी, आरएएम और आईआरएस
- संदर्भित (रेफरन्सिंग) और उल्लेख (साइटेशन)

शोध परियोजना: PGDHJ001(B) द्वितीय सेमेस्टर **30 अंक**

'शोध परियोजना' प्रथम प्रश्न पत्र के द्वितीय भाग, प्रश्नपत्र कोड PGDHJ001(B) के अंतर्गत सभी विद्यार्थी आवंटित किये गये आंतरिक/बाह्य संकाय सदस्य/विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में शोध करेंगे। प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा प्रथम सेमेस्टर में शोध विषय के अनुमोदन के उपरांत विभाग द्वारा निर्धारित तिथि तक एक शोध प्रस्ताव (10 अंक) प्रस्तुत करना होगा और द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा के पूर्व विभाग द्वारा निर्धारित तिथि तक लघु शोध प्रबंध (30 अंक) प्रस्तुत करना होगा। विद्यार्थी शोध हेतु संचार/मीडिया अध्ययन/मीडिया संगठन/प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक/डिजिटल मीडिया/विकास पत्रकारिता/उद्यमिता/अंतर्राष्ट्रीय संबंध और संबंधित क्षेत्र में से किसी एक विषय/टॉपिक का चयन कर सकते हैं।

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- संचार के सिद्धांत: आर्मंड मैतलार्त, मिशेल मैतलार्त, ग्रंथ शिल्पी, 2010
- जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य, जवरीमल्ल पारख, ग्रंथशिल्पी, नई दिल्ली, 2000
- जनमाध्यम और मास कल्चर, जगदीश्वर चतुर्वेदी, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
- भाषा और संवेदना, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद, 1981
- जन संचार माध्यम और सांस्कृतिक विमर्श, जवरीमल्ल पारख, ग्रंथ शिल्पी,2010
- सूचना क्रांति की राजनीति व विचारधारा, प्रो. सुभाष धूलिया, ग्रंथशिल्पी, नई दिल्ली,2001
- भारत में जनसंचार-केवल जे कुमार, जैको पब्लिशिंग हाउस,मुंबई, 2017
- हिंदी भाषा का उद्गम और विकास- उदय नारायण तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
- हिंदी, उर्दू और हिन्दुस्तानी- पद्मसिंह शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद, 2016
- अनुसंधान प्रविधि, एस एन गणेश, लोकभारती, इलाहाबाद, 1986
- शोध कार्यप्रणाली: आरंभिक शोधकर्ताओं के लिए चरणबद्ध गाइड- रंजीत कुमार, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली (2017)
- रिसर्च प्रोजेक्ट करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन – जिना ओ लियरी, सेज प्रकाशन नई दिल्ली (2017)
- शोध प्रस्ताव कैसे करें तैयार- पैम डेनिकोलो और लुसिंडा बेकर, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली (2017)
- सफल गुणात्मक अनुसंधान: नए शोधकर्ताओं के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन- वर्जीनिया बौन और विक्टोरिया कलार्क, सेज प्रकाशन नई दिल्ली
- आचार्य भरत, डा. शिवशरण शर्मा, मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
- संचार का समाजशास्त्र, अनिल सौमित्र, मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
- सामाजिक अनुसंधान पद्धति, राम गोपाल सिंह, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली/ मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
- संचार माध्यम: अतीत व वर्तमान (खंड 1 एवं खंड 2), डॉ. प्रवीण कुमार झा, के.एल. पचौरी प्रकाशन, गाजियाबाद
- हिंदी और हम, विद्यानिवास मिश्र, ग्रन्थ अकादमी, नई दिल्ली
- भाषा और संस्कृति, सम्पादक - डॉ. राधा वल्लभ शर्मा/डॉ. उमेश कुमार सिंह, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
- संस्कृति और समाज, हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
- संचार: अवधारणा एवं प्रक्रिया: स्वामी विवेकानंद, श्री गिरीश उपाध्याय, माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल
- वाद और संवाद की भारतीय परम्पराएं, राधावल्लभ त्रिपाठी, कविकुल गुरु संस्कृत वि.वि. रामटेक
- संचार के मूल सिद्धांत, प्रो. ओम प्रकाश सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
- चित्त वृत्ति मॉडल- उपाध्याय एवं दहिया, आईआईएमसी, नई दिल्ली
- Media literacy: Keys to interpreting media messages, Art Silverblatt, Anubhuti Yadav, Vedabhy as Kundu, Kanishka Publishers, New Delhi
- Mass communication theory: An Introduction, Denis Mcquail, Vistaar Publications, New Delhi
- The process and effects of mass communication, W. Schramm, Roberts, D.F, Urbana, IL: University of Illinois Press, 1971
- Mass communication in India, Keval J. Kumar, Jaico Publishing House, Mumbai, 2011
- Mass Communication Research Methods, Anders Hansen, Simon Cottle, Ralph Negrine& Chris Newbold, Macmillan Press, London, 1998
- The Basics of Communication Research, Leslie A. Baxter & Earl Babbic, Thomson Learning, Toronto, 2004
- Language and Media, Alan Durant & Marina Lambrou, Routledge, New York, 2009

- The Origin of Language: Tracing the Evolution of the Mother Tongue- Merritt Ruhlen, Wiley, Newyork, 1996
- International Communications: Continuity and Change, Daya Krishna Thussu, Arnold Publishers, London, 2000
- Theory and Practice of Communication: Bharata Muni, N. Adhikari, Makhanlal Chaturvedi Rashtriya Patrakarita Avam Sanchar Vishwavidyalaya.
- Media Literacy, Keys to Interpreting Media Messages- Silverblat Art, Anubhuti Yadav, Vedabhyas Kundu
- The Digital International Media Literacy E Book Project, Dimple, 2019 Handbook of Communication Research, Prof. Devesh Kishore, Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism and Communication, Bhopal
- Breaking India, Rajiv Malhotra, Aravindan Neelakandan, Amaryllis - an Imprint of Manjul Publishing House, New Delhi
- Battle for Consciousness Theory, Rajiv Malhotra, Manogna Sastry and Kundan Singh, Occam (an imprint of BluOne Ink) Research Methodology, T. Bhaskar Rao, Paras Publication, Hyderabad
- https://www.kobo.com/us/en/ebook/media-literacy-8

द्वितीय प्रश्नपत्र
PGDHJ002

पत्रकारिता की अवधारणा, प्रेस का इतिहास, प्रेस विधि एवं नैतिकता

अंक 100 : सैद्धांतिक 75, प्रायोगिक 25
क्रेडिट:4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- ❖ पत्रकारिता, समाज में उसकी भूमिका और कार्यों के बारे में अवधारणात्मक समझ विकसित करना।
- ❖ पत्रकारिता के इतिहास और विकास की प्रक्रिया से परिचित कराना।
- ❖ प्रशिक्षार्थियों को पत्रकारिता के वैधानिक और नैतिक पहलुओं, उसके मूल्यों और दायित्वों का बोध कराना।

खंड–1 **15 अंक**

(क) पत्रकारिता की अवधारणा

- पत्रकारिता : अवधारणा, उद्भव, उद्देश्य और सामाजिक-राजनीतिक महत्व
- पत्रकारिता के प्रमुख आधारतत्व और उनका विकास
- समाज में पत्रकारिता की भूमिका : राष्ट्र-राज्य, लोकतंत्र, नागरिकता-बोध और पत्रकारिता: चौथे खम्भे की अवधारणा: पारदर्शिता
- और जवाबदेही : लोकतंत्र में विचारों और सूचनाओं की विविधता और बहुलता
- पत्रकारिता के प्रकार : प्रहरी पत्रकारिता(वाच डॉग), सत्य पक्षधर पत्रकारिता (एडवोकेसी), सत्यान्वेषक (खोजी) पत्रकारिता, डाटा
- (आंकड़ा) पत्रकारिता, सामुदायिक पत्रकारिता, विकास पत्रकारिता, नागरिक पत्रकारिता, वैकल्पिक पत्रकारिता, उद्यमिता
- पत्रकारिता, समाधानपरक पत्रकारिता, नकारात्मक पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता, एजेंडा पत्रकारिता, जनसंपर्क पत्रकारिता
- पत्रकारिता के कार्य : विश्वसनीय-सूचनात्मक पत्रकारिता और आलोचनात्मक-खोजी-विरोधी पत्रकारिता के सन्दर्भ में

(ख) समाचार का अर्थ समझना: समाचारों की राजनीति, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र

- जनमत निर्माण और पत्रकारिता : मुद्दे और चुनौतियाँ
- पत्रकारिता से जुड़े मुद्दे और समकालीन बहसें
- पत्रकारिता में उभरती भविष्य की प्रवृत्तियां : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.), वर्चुअल रियलिटी/अगमेंटेड रियलिटी
- (वी.आर/ए.आर), ड्रोन, इन-डेप्थ और लांग फार्म और दूसरे तकनीकी बदलाव
- पत्रकारिता और आलोचनात्मक समझ: तर्क, तथ्य, साक्ष्य और तार्किकता : अवलोकन; जांच-पड़ताल और प्रश्न; दलील और
- विश्लेषण : सांख्यिकी और आंकड़ों की समझ
- पत्रकारिता का भविष्य

खंड 2 **15 अंक**

पत्रकारिता का इतिहास

- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अंग्रेजी और भाषाई पत्रकारिता की भूमिका
- स्वातंत्र्योत्तर भारत में पत्रकारिता की भूमिका: राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां
- आपातकाल के दौर में पत्रकारिता: सेंसरशिप और दबाव
- भारत में प्रेस की प्रगति और विस्तार (1977-1991) : हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- उदारीकरण (1991) और उसके बाद की पत्रकारिता: प्रमुख प्रवृत्तियां- कारपोरेटीकरण, संपादक की संस्था, विस्तार और प्रसार, अंतर्वस्तु पर प्रभाव
- 21 वीं सदी के पहले दो दशकों में हिंदी और भाषाई पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियां
- प्रमुख समाचार पत्र समूह: द हिन्दू, टाइम्स ऑफ इंडिया, इंडियन एक्सप्रेस, हिन्दुस्तान टाइम्स, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, दिनमान, रविवार, दैनिक

जागरण, अमर उजाला, दैनिक भास्कर, प्रभात खबर और राजस्थान पत्रिका, धर्मयुग, पान्चजन्य, ऑर्गनाइजर और दैनिक स्वदेश आदि

- प्रमुख संपादक : भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, पं. मदन मोहन मालवीय, लोकमान्य तिलक, गणेश शंकर विद्यार्थी, महात्मा गाँधी, बाबूराव विष्णु पराड़कर, बनारसी दास चतुर्वेदी, अज्ञेय, धर्मवीर भारती, रघुवीर सहाय, राजेन्द्र माथुर, प्रभाष जोशी और सुरेन्द्र प्रताप सिंह
- भारत में संवाद समितियाँ (न्यूज एजेंसी)
- अन्य देशों में पत्रकारिता (अमेरिका, यूरोप, चीन, सार्क देश, आदि)
- समाचारपत्रों का भविष्य : प्रवृत्तियां और विमर्श

खंड–3 **15 अंक**

मीडिया कानून

- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता : अवधारणा, भारतीय संविधान में प्रावधान, उपयुक्त प्रतिबन्ध और उससे जुडी बहसें
- प्रेस की आज़ादी : अवधारणा, संवैधानिक व्यवस्था, सर्वोच्च न्यायालय के संबंधित निर्णय और मौजूदा बहसें
- न्यायालय की अवमानना और विधायिका के विशेषाधिकार
- सरकारी गोपनीयता कानून और सूचना का अधिकार कानून
- घृणास्पद अभिव्यक्ति (हेट स्पीच) से संबंधित कानून
- प्रतिलिप्याधिकार (कॉपीराइट) कानून और पुस्तक एवं समाचार पत्र पंजीकरण कानून
- मानहानि कानून
- श्रमजीवी पत्रकार कानून और वेतन बोर्ड
- प्रसारण और फिल्म क्षेत्र के लिए कानून : प्रसारण संहिता, टेलीग्राफ एक्ट, केबल टीवी नेटवर्क (रेग्यूलेशन) कानून, सिनेमैटोग्राफ
- कानून, प्रसार भारती कानून
- साइबर क्षेत्र के लिए कानून : सूचना तकनीक कानून (आइटी एक्ट), प्रतिलिप्याधिकार (कॉपीराइट) उल्लंघन, साइबर अपराध, सूचना तकनीक (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता नियम), 2021
- संचार माध्यमों में महिलाओं संबंधी प्रस्तुतिकरण अधिनियम, 1986

खंड–4 **15 अंक**

मीडिया संगठन

- भारतीय प्रेस आयोग : पहले और दूसरे प्रेस आयोग का गठन, पृष्ठभूमि और उसकी प्रमुख अनुशंसाएँ
- प्रेस परिषद कानून और प्रेस परिषद की भूमिका
- अंतरराष्ट्रीय संगठन : अंतरराष्ट्रीय प्रेस संस्थान, यूनेस्को, आईसीएफजे
- राष्ट्रीय संगठन : आईएनएस, एडिटर्स गिल्ड, आईएफडब्ल्यूजे, एनयूजे(आई), एनबीए, आईजेयू, बीईए आदि एसोसिएशन और संगठन
- मीडिया में ट्रेड यूनियन अधिकार

राष्ट्रीय सूचना और संचार व्यवस्था

- सरकारी सूचना तंत्र की दृष्टि और अवधारणा
- भारत में सरकारी सूचना तंत्र का संगठनात्मक स्वरूप : पीआईबी, केंद्रीय संचार ब्यूरो(सीबीसी), डीएवीपी, फिल्म डिविजन आदि
- प्रांतीय सरकारी सूचना और जन संपर्क विभाग
- राष्ट्रीय मीडिया नीति और नियमन : प्रिंट, टीवी, रेडियो, डिजिटल, और फिल्म नीति व नियमन; चुनौतियां और मुद्दे

खंड–5 **15 अंक**

पत्रकारीय आचार संहिता और मूल्य

- पत्रकारीय नैतिकता का आधार और विकास : नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत

- पत्रकारीय नैतिकता : अवधारणा, महत्व और उससे जुड़ी समकालीन बहसें
- पत्रकारीय आचार संहिता : प्रोफेशनल संगठनों, मीडिया समूहों और नियामकों की आचार संहिताएँ
- पत्रकारिता में नैतिक दुविधा : उसे हल करने के विभिन्न तरीके
- निजता का अधिकार : अवधारणा, मुद्दे और चुनौतियाँ
- पत्रकारीय नैतिकता से विचलन : स्टिंग पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता, पेड न्यूज, प्राइवेट ट्रीटीज़, मीडिया नेट, लाबीइंग
- मीडिया नियमन : आधार, सिद्धांत और विकास, नियमन के विभिन्न रूप (राज्य नियमन, स्व नियमन, सह-नियमन), मुद्दे और चुनौतियां
- प्रेस/प्रसारण नियमन संस्थाएँ : प्रेस परिषद, ट्राई, एनबीए (एनबीएसए) आईबीएफ
- खबरपाल (ओम्बुड्समैन) : पाठक-संपादक की भूमिका और महत्व
- फ़र्जी ख़बरें (फेक न्यूज) : मुद्दे, चुनौतियाँ और फ़र्जी ख़बरों से निपटने की तकनीक
- मीडिया ट्रायल और मीडिया एक्टिविज्म के फायदे और नुकसान, सनसनीखेज पत्रकारिता, एक्टिविज्म बनाम पत्रकारिता

खंड-6 **25 अंक**

व्यावहारिक अभ्यास/असाइनमेंट

आंतरिक/बाह्य शिक्षक/विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में प्रत्येक विद्यार्थी को दिये गये विषय/विषयों एवं प्रारुप में निर्धारित तिथि तक असाइनमेंट मूल्यांकन हेतु विभाग में प्रस्तुत करना होगा।

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- भारतीय पत्रकारिता का इतिहास - जे नटराजन, प्रकाशन विभाग, 2002
- जर्नलिज्म इन इंडिया - पार्थसारथी रंगास्वामी, स्टर्लिंग पब्लिशर्स, 2011
- हिन्दी पत्रकारिता - कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, 1985
- हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास - जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी , प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 2004
- हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास - अर्जुन तिवारी , प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1997
- हिंदी पत्रकारिता:हमारी विरासत- डा शम्भुनाथ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,
- भारत का संविधान - महावीर सिंह, ईस्टर्न बुक कंपनी, लखनऊ, 1991
- भारत में समाचार पत्र क्रांति - रोबिन जेफ्री, आई आई एम सी, नई दिल्ली, 2004
- समाचार पत्र - चलपति राव, नेशनल बुक ट्रस्ट, (एनबीटी), नई दिल्ली, 1977
- प्रेस विधि और अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य - डॉ हरबंस दीक्षित, वाणी प्रकाशन, 2007
- पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा - आलोक मेहता, सामयिक प्रकाशन, ऩई दिल्ली
- आधुनिक भारत के गुमनाम समाज-शिल्पी- डा. प्रमोद कुमार, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली, 2019
- पत्रकारों के लिए शैक्षिक योग्यता कितनी आवश्यक? कितनी व्यावहारिक- डा. प्रमोद कुमार, किताबवाले प्रकाशन, नई दिल्ली, 2020
- भारत में पत्रकारिता, आलोक मेहता, संशोधित सं. 2022, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली
- वैश्वीकरण, मीडिया और समाज, राम गोपाल सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर/नई दिल्ली
- हिंदी पत्रकारिता का बाजार भाव, जवाहरलाल कौल, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
- मीडिया और साहित्य, सुधीश पचौरी, राजसूर्य प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतीय पत्रकारिता कोश (खंड एक एवं खंड दो), विजयदत्त श्रीधर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली/पटना
- मीडिया समग्र, डा. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- समकालीन पत्रकारिता, विजयदत्त श्रीधर, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
- बाजारवाद के दौर में पत्रकारिता, उमेश चतुर्वेदी, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
- Media's Shifting Terrain: Five Years That Transformed the Way India Communicates' Pamela Philipose,

Blackswan, India, 2018

- Freedom, Civility, Commerce: Contemporary Media and the Public, Sukumar Murlidharan, Three Essays Collective, New Delhi, 2019
- The Indian Newsroom, Sandeep Bhushan, Context, 2019
- The History of Urdu Press, M.A. Khan, Classical Publishing House, New Delhi, 1995
- Introduction to the Constitution of India, Durga Das Basu, S.C. Sarkar & Sons Pvt. Ltd, Calcutta, 1996
- Laws of the Press, D.D. Basu, Prentice Hall, New Delhi, 2006
- Good news, Bad News: Journalism Ethics and the Public Interest, Jeremy Iggers, West View Press, Oxford, 1998
- Only the Good news: The Law of the Press in India, Rajeev Dhavan, Manohar Publications, New Delhi, 1987
- Media Ethics, Paranjoy Guha Thakurta, Oxford, Delhi, 2012

तृतीय प्रश्नपत्र
PGDHJ003

समाचार लेखन : अवधारणा और प्रक्रिया

अंक : 100 : सैद्धांतिक : 100
क्रेडिट:4

उद्देश्य

- ❖ समाचार की अवधारणा, समाचार मूल्य की पहचान और समाचार लेखन की प्रक्रिया से परिचय कराना
- ❖ विशेषीकृत बीट समेत रिपोर्टिंग के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान से अवगत कराना।
- ❖ प्रशिक्षार्थियों को हर प्रकार के माध्यम के लिए लिखने के लिए सक्षम बनाना। इसके लिए सूचना संग्रहण, प्रसंस्करण और प्रेषण के कौशल का प्रशिक्षण देना।

खंड–1 **20 अंक**

समाचार अवधारणा

- समाचारःअवधारणा, परिभाषा, तत्व और समाचार मूल्य का विकास
- समाचार मूल्य की पहचान : प्रमुख मानक, भारतीय समाचार मूल्य एवं पाश्चात्य समाचार मूल्य
- समाचार स्रोत और संवाद संग्रहण के नैतिक पहलू
- समाचार की बदलती अवधारणा : मुद्दे और चुनौतियाँ
- समाचार संग्रहण : सूचना के स्रोत, अवलोकन, साक्षात्कार और शोध
- समाचार और रिपोर्टिंग के प्रकार : विश्लेषणात्मक, व्याख्यात्मक, विवरणात्मक और खोजी रिपोर्टिंग
- न्यूज़ एजेंसी और समाचार पत्रों, टेलीविज़न और रेडियो तथा वेबसाइट की रिपोर्टिंग में अंतर
- न्यूज एजेंसी, समाचार पत्र, पत्रिका, रेडियो और टेलीविज़न में रिपोर्टिंग विभाग का ढाँचा और कार्यप्रणाली
- संवाददाता, प्रमुख संवाददाता और ब्यूरो प्रमुख की भूमिका, कार्य और गुण

समाचार लेखन की प्रक्रिया

- समाचार मूल्य की जांच
- समाचार का ढांचा : समाचार आमुख और उसके प्रकार, समाचार का विस्तार (बॉडी) और समापन
- समाचार लेखन की प्रक्रिया में ध्यान रखने योग्य बातें
- समाचार लेखन की प्रमुख शैलियाँ : उल्टा पिरामिड, फीचर शैली, रेत घड़ी शैली और नट ग्राफ़

खंड–2 **15 अंक**

रिपोर्टिंग के प्रकार : बीट और ब्यूरो पर आधारित

- बीट और उससे जुड़े स्रोत : स्रोत विकसित करने की कला; सूचनाओं और तथ्यों की खोज, छानबीन और चयन की प्रक्रिया
- प्रेस कांफ्रेंस, प्रेस रिलीज और सभा, सेमिनार-भाषण से समाचार संकलन
- रिपोर्टिंग और सोशल मीडिया : स्रोत, संवाद, जांच-पड़ताल और वितरण; रिपोर्टर के लिए सोशल मीडिया हैंडल
- स्थानीय रिपोर्टिंग : शहर और स्थानीय निकायों की खबरें, नागरिक मुद्दे- सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, परिवहन, साफ़-सफाई,
- सुरक्षा, नागरिक सुविधाएँ, शहरी विकास, शिक्षा, कला-कौशल और संस्कृति, फैशन, लाइफस्टाइल आदि
- क्राइम रिपोर्टिंग : स्रोत, जाँच-पड़ताल, संबंधित कानून और अपराध संहिता, (भारतीय न्याय संहिता, आईपीसी और सीआरपीसी)
- ब्यूरो के लिए रिपोर्टिंग : आवश्यक तैयारी, राजनीतिक दलों और राजनीति, विधान सभा और संसद की रिपोर्टिंग
- संवेदनशील मुद्दे : सैन्य बल, प्रांत, धर्म, जाति, समुदाय और मानवाधिकार और कंफ्लिक्ट रिपोर्टिंग, देश की एकता-अखंडता, सामाजिक सौहार्द से जुड़े मुद्दों के संदर्भ में ध्यान रखने योग्य बातें, भारत विरोधी विदेशी प्रचारतंत्र के षडयंत्रों के संदर्भ में सजगता, आतंकवाद समर्थक

प्रचार-मुहिम के प्रति सतर्कता।

- दलित/वंचित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, गरीब एवं अन्य हाशिए के वर्गों संबंधी रिपोर्टिंग: ध्यान रखने योग्य बातें
- महिलाओं से संबंधित मुद्दों और विषयों की रिपोर्टिंग : तैयारी और ध्यान रखने योग्य बातें
- रिपोर्टिंग और मानसिक स्वास्थ्य : महामारियों और आपदा की रिपोर्टिंग, ट्रॉमा (मानसिक आघात) से बचाव, मानसिक
- स्वास्थ्य का ध्यान, खतरों से बचाव, सेफ्टी गीयर का इस्तेमाल

खंड-3 **15 अंक**

विशेषीकृत रिपोर्टिंग

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी रिपोर्टिंग : क्षेत्र और स्वरुप, स्रोत, शोध, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया और ध्यान रखने वाली बातें
- पर्यावरण और मौसम परिवर्तन की रिपोर्टिंग: क्षेत्र और स्वरुप, स्रोत, शोध, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया और ध्यान रखने वाली बातें
- आपदा रिपोर्टिंग : क्षेत्र और स्वरुप, स्रोत, शोध, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया और ध्यान रखने वाली बातें
- रक्षा रिपोर्टिंग : क्षेत्र और स्वरुप, स्रोत, शोध, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया और ध्यान रखने वाली बातें
- उपभोक्ता मामलों की रिपोर्टिंग : क्षेत्र और स्वरुप, स्रोत, शोध, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया और ध्यान रखने वाली बातें
- लीगल और कोर्ट रिपोर्टिंग : क्षेत्र और स्वरुप, स्रोत, शोध, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया और ध्यान रखने वाली बातें
- कृषि, जैविक खेती, ग्रामीण एवं परंपरागत कौशल कला, ग्रामीण रिपोर्टिंग : क्षेत्र और स्वरुप, स्रोत, शोध, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया और ध्यान रखने वाली बातें
- समाधान रिपोर्टिंग : क्षेत्र और स्वरुप, स्रोत, शोध, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया और ध्यान रखने वाली बातें
- धर्म-संस्कृति, स्थापत्य कला एवं लोकोत्सवों की रिपोर्टिंग : ध्यान देने योग्य बातें, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया

खंड–4 **15 अंक**

आर्थिक और बिजनेस रिपोर्टिंग

- भारतीय अर्थव्यवस्था : प्रमुख क्षेत्र, विशेषताएं, जीडीपी और घटक, वृद्धि/विकास और मुद्रास्फीति, राष्ट्रीय बजट, वार्षिक आर्थिक
- सर्वेक्षण,
- अर्थव्यवस्था के संकेत सूचक : औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक, इंफ्रास्ट्रकचर, मुद्रास्फीति, आयात-निर्यात, एक्सटर्नल
- सेक्टर : भुगतान संतुलन (बेलेंस ऑफ पेमेंट), चालू खाता, पूँजी खाता
- नीति आयोग : अर्थनीति निर्माण में भूमिका और प्रभाव
- बैंकिंग : सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र और विदेशी बैंक, पीएलआर, बैंक रेट, रेपो, रिवर्स रेपो, सीआरआर, एसएलआर
- शेयर बाजार : सेंसेक्स,निफ्टी, मार्केट कैपिटल, 52वीक हाई/लो
- नियामक : सेबी की कार्यप्रणाली, ईपीआई इंडेक्स : सीआईआई, फिक्की जैसे संस्थानों की कार्यप्रणाली
- आर्थिक और बिजनेस रिपोर्टिंग की तैयारी : आर्थिक परिघटनाओं, प्रणालियों, अर्थव्यवस्था और बिजनेस की बुनियादी समझ
- उपभोक्ता और निवेशक : कहाँ खर्चें, कहाँ बचाएं और कहाँ निवेश करें?
- आर्थिक और बिजनेस रिपोर्टिंग और लेखन की भाषा, शैली और पारिभाषिक शब्दावली

खंड- 5 **15 अंक**

स्वास्थ्य रिपोर्टिंग

- जन स्वास्थ्य: जन स्वास्थ्य की परिभाषा, क्षेत्र, स्वस्थ जीवन का अर्थ, उसके प्रमुख पहलू, उसका सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक महत्त्व, प्रमुख चिकित्सा पद्धतियाँ
- जन स्वास्थ्य और उससे जुड़े प्रमुख घटक: भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था; केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की भूमिका; स्वास्थ्य और आरोग्य ढांचा; स्वास्थ्य बजट और उसके प्रमुख प्रावधान; सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की भूमिका

- जन स्वास्थ्य: प्रमुख बीमारियाँ और उनके प्रकार, जीवन शैली संबंधित बीमारियाँ, महामारियां और उनका इतिहास: निपटने की चुनौतियाँ, इलाज और टीके और सामाजिक नार्म
- जन स्वास्थ्य क्षेत्र में शोध: प्रमुख संस्थाएं, शोध जर्नल, शोध रिपोर्ट पढने और समझने का तरीका
- जन स्वास्थ्य रिपोर्टिंग: साक्ष्य आधारित रिपोर्टिंग, उसके स्रोत, पुष्टि और जांच-पड़ताल, नैतिक पहलू
- जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे

खंड- 6 **10 अंक**

खेल रिपोर्टिंग

- खेलों का उद्भव, इतिहास, विकास और आधुनिक युग में खेल: खेलों का अर्थशास्त्र और कारोबार, समाजशास्त्र और खेलों की राजनीति
- प्रमुख खेल प्रतियोगिताएं, संस्थाएं और उनका रेगुलेशन
- प्रमुख खेलों के नियम: एथलेटिक्स, फ़ुटबाल, क्रिकेट, हाकी
- खेलों की रिपोर्टिंग : रिपोर्टिंग की तैयारी, स्रोत, मैच विवरण, मैच का विश्लेषण, आंकड़ों की भूमिका
- खेल रिपोर्टिंग की भाषा, शैली और शब्दावली

खंड- 7 **10 अंक**

फिल्म और मनोरंजन रिपोर्टिंग

- वैश्विक सिनेमा का इतिहास, विकास प्रक्रिया और उसके प्रमुख युग और उनकी विशेषताएं
- भारतीय सिनेमा : हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं का सिनेमा, उनका इतिहास और विकास प्रक्रिया, विशेषताएं, आपसी संबंध, कारोबार आदि
- हिंदी सिनेमा : इतिहास, विकास प्रक्रिया, प्रमुख दौर और उनकी विशेषताएं, हिंदी सिनेमा उद्योग और कारोबार, स्टार सिस्टम, प्रमुख स्टूडियोज, फिल्म निर्माण प्रक्रिया, प्रमुख नायक-नायिकाएं, निर्देशक, प्रोड्यूसर, संगीतकार, गीतकार, स्क्रिप्ट और संवाद लेखक और सिनेमैटोग्राफर, सिनेमा पर सामाजिक-सांस्कृतिक आक्षेप
- हिंदी मनोरंजन टीवी : मनोरंजन टीवी का उद्भव, विस्तार और प्रसार, प्रमुख चैनल, उनकी प्रोग्रामिंग और उसके प्रकार (जानर), प्रमुख स्टूडियोज, कलाकार और लेखक
- फिल्मों के लिए रिपोर्टिंग : उसके प्रमुख क्षेत्र, उसकी तैयारी, स्रोत, साक्षात्कार और लेखन: फिल्म समीक्षा की बारीकियां और शैली
- मनोरंजन रिपोर्टिंग और लेखन : टीवी कार्यक्रमों, खानपान, शापिंग, त्यौहारों और फिटनेस आदि की रिपोर्टिंग

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- ❑ समाचार और संवाददाता - काशीनाथ जोगलेकर, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, 1997
- ❑ समाचार संकलन और लेखन - नंदकिशोर त्रिखा, हिन्दी समिति, उप्र., 1974
- ❑ समाचार अवधारणा और लेखन प्रक्रिया - सुभाष धूलिया, आनंद प्रधान; भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली, 2004
- ❑ क्राइम रिपोर्टर - हर्षदेव, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली, 2005
- ❑ पत्रकारिता: सर्जनात्मक लेखन और रचना प्रक्रिया, अरुण कुमार भगत, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली
- ❑ औपनिवेशक भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और आयुर्विज्ञान, डेविड अर्नाल्ड, अनुवाद: शैलेन्द्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- ❑ धर्मवीर भारती की पत्रकारिता के सिद्धांत, श्री साकेत दुबे, माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार
- ❑ विश्वविद्यालय, भोपाल
- ❑ ओवर द टॉप: ओटीटी का मायाजाल, अनंत विजय, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
- ❑ Here is the news: reporting from media – Rangaswami Parthsarthy, Sterling Publisher, 1994
- ❑ News Writer's Handbook: M.L. Stein, Susan F. Paterno, R. Christopher Burnett

- News Writing, George Hough, Kanishka Publishers, New Delhi
- Modern Journalism: Reporting and Writing, Diwakar Sharma, Deep and Deep Publications, New Delhi
- Journalism through RTI: Information, Investigation, Impact- Shyamlal Yadav, Sage Publications India,
- New Delhi, 2017
- The War Correspondent, David Randall, London
- Intimate Journalism: The Art and Craft of Reporting Everyday Life, Walt Harrington, New Delhi
- Writing for Journalists, Wynford Hicks, London
- The Future Newsroom- Dr. Pramod Kumar, Kitabwale, New Delhi 2020
- Practical Newspaper Reporting- David Spark and Geoffrey Harris, Sage Publication, New Delhi 2011
- Writing and Reporting News: A Coaching Method- Carole Rich, Thomson Wadswrth, Australia, 2010
- Reporting for Journalists, Chris Frost, Routledge, London, 2001
- The Routledge Companion to News Journalism, Routledge Newyork, 2010
- Reporting, Prof. N. K. Trikha, Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism and
- Communication, Bhopal
- Beat Reporting and Editing: Journalism in the Digital Age, Dahiya, S., & Sahu, S. (2021). Sage Publications Pvt. Limited.
- Mastering Beats in Journalism: Specialized Reporting, Editing and Emerging Technologies in the Digital Era, Dahiya, S., & Sahu, S. (2024). Pearson Education.

चौथा प्रश्नपत्र
PGDHJ004

संपादन : अवधारणा और प्रक्रिया

अंक : 100 : सैद्धांतिक : 100
क्रेडिट:4

उद्देश्य

- ❖ प्रशिक्षार्थियों को हर प्रकार के लेखन के संपादन के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराना और उनका अभ्यास कराना।
- ❖ प्रशिक्षुओं को समाचार / पत्रिका के ले- आउट, डिजाइन और दृश्य प्रस्तुति से परिचित कराना

खंड–1 **15 अंक**

संपादन की अवधारणा

- संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, लक्ष्य और महत्व
- संपादन के औजार, संपादन प्रक्रिया, संपादन के विभिन्न चरण
- संपादकीय मूल्य : सत्य, तथ्यपरकता, वस्तुनिष्ठता, निष्पक्षता, संतुलन, स्वतंत्रता आदि
- संपादक : भूमिका और महत्व, टीम नेतृत्वकर्ता, एक संस्था और बदलती भूमिका
- सम्पादकीय दृष्टि : सम्पादकीय मूल्यों का पालन, नए आइडिया की खोज, सम्पादकीय सृजनात्मकता और नवोन्मेष
- संपादन की चुनौतियाँ- टीम नेतृत्व, पूर्वाग्रह, झुकाव, दबाव : राजनीतिक, वित्तीय, धार्मिक, जातीय, आपराधिक, कानूनी
- पत्रकारिता के विभिन्न रूप : विकास, खोजी, सामुदायिक, नागरिक, वॉचडॉग, वैकल्पिक, एडवोकेसी, लाभ-निरपेक्ष और सहभागी
- पत्रकारिता आदि

खंड–2 **15 अंक**

संपादन कक्ष, समाचार प्रवाह और संपादन व्यवस्था

- समाचार पत्र, पत्रिकाओं और संवाद समितियों का संपादकीय ढांचा
- संपादन कक्ष में पत्रकारों के विभिन्न पद और कार्य
- एकीकृत संपादन कक्ष
- समाचार प्रवाह और संपादन व्यवस्था
- डेस्क पर समाचारों का प्रवाह : विभिन्न स्रोत (पारंपरिक और सोशल मीडिया)
- समाचार प्रवाह का प्रबंधन
- संपादन व्यवस्था : द्वारपालों की भूमिका और दायित्व

खंड–3 **25 अंक**

संपादन प्रक्रिया

- समाचारों के चयन की प्रक्रिया : समाचार मूल्य और अन्य कसौटियाँ
- कॉपी संपादन का उद्देश्य और लक्ष्य
- कॉपी संपादन की प्रक्रिया
- भाषा, शैली, तथ्य, स्पष्टता, सहजता, संपादन चिह्न, व्याकरण की महत्ता
- महिला, दलित, नाबालिग एवं अन्य हाशिये के वर्गों संबंधी समाचारों का संपादन और प्रस्तुतिकरण
- संपादन में अनुवाद की भूमिका, उद्देश्य और महत्व
- बेहतर अनुवाद की कसौटियाँ

- समाचारपत्रों में काम आने वाली शब्दावली, शैली पुस्तिका
- शीर्षक लेखन : शीर्षक का उद्देश्य और महत्व,
- शीर्षक के विभिन्न प्रकार, शीर्षक लेखन की कला

खंड–4 **25 अंक**

पत्रकारीय लेखन के अन्य प्रकार

- फीचर : परिभाषा, प्रकार एवं विशेषताएँ, समाचार और गैर समाचार फीचर
- फीचर लेखन की प्रक्रिया : आइडिया और शोध, फीचर लेखन की तकनीक
- कथात्मक (लांग फॉर्म/ नरेटिव) रिपोर्टिंग/ लेखन : शोध, साक्षात्कार, सामग्री संकलन और लेखन
- फीचर के लिए आइडिया : समेत और उसे विकसित करने के तरीके
- विचार लेखन, संपादकीय और मिडिल
- साक्षात्कार के विभिन्न प्रकार, तैयारी और प्रक्रिया
- साक्षात्कार के दौरान ध्यान रखने वाली बातें
- साक्षात्कार का लेखन
- विशेष लेख, सप्ताहांत परिशिष्ट, पुलआउट्स, बैकग्राउन्डर्स, समीक्षाएँ (पुस्तक, फिल्म और वृत्तचित्र)
- पत्रिका रिपोर्टिंग : वर्तमान प्रचलन, स्टाइल शैली और भविष्य
- कंटेंट लेखन : विभिन्न प्रकार के प्लेटफार्म/कंपनियों/वेबसाइट्स आदि के लिए सूचनात्मक और प्रचारात्मक लेखन

खंड–5 **20 अंक**

ले आउट और डिजाइन

- समाचार पत्र फ़ॉर्मेट और डिजाइन : ब्राडशीट, टैब्लायड, बर्लिनर और पत्रिका (मैगजीन)
- ले-आउट और डिज़ाइन के सिद्धांत
- टाइपोग्राफी, कलर और (मुद्रण कला) ग्राफिक्स (दृश्यांकन)
- समाचार पत्र पेज डिज़ाइनिंग और संपादन के सॉफ्टवेयर : पेजमेकर, क्वार्क एक्सप्रेस और इन डिजाइन
- समाचार पत्र के मुद्रण (छपाई) की प्रक्रिया
- समाचार पत्र और प्रिंटिंग तकनीक

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- संपादन कला - एन सी पंत, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004
- मानक हिन्दी - बृजमोहन, मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली, 1979
- शैली पुस्तिका- बाल मुकुंद सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1995
- भाषा और संस्कृति - भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 1984
- मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 1986
- साक्षात्कार सिद्धांत और व्यवहार - रामशरण जोशी, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली, 2001
- फीचर लेखनः स्वरुप और शिल्प - मनोहर प्रभाकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,1992
- पत्रकारिता में अनुवाद- जितेन्द्र गुप्त, प्रियदर्शन और अरुण प्रकाश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
- पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन, नई दिल्ली, 1984
- अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987
- हिन्दी व्याकरण, अनुपम द्विवेदी, रीतू पब्लिकेशन, जयपुर, 2014

- सही भाषा सरल सम्पादन, आदर्श प्रकाश सिंह, के.एल. पचौरी प्रकाशन, गाजियाबाद
- Creative editing: Dorothy A Bowls, Australia: Wadsworth Cengage Learning, 2011
- Magazine Editing: John Morrish, Routledge, New York 2006
- Real feature writing: A Amidore, Routledge, New York 2013
- Editing for print: Geoffrey Rogers, MacDonald Book, London, 1993
- The art of editing: Floyd K. Baskette, Allyan and Bacon, Boston, 1997
- Art and Production: NN Sarkar, Sagar Publication, New Delhi, 1995
- Professinal Journalism- M.V Kamath Vikas Publication, New Delhi 1996
- Journalism in the digital age: John Herbert, Focal Press, Boston, 2000
- Editors on Editing: H. Y Sharda Prasad, National Book Trust, New Delhi1993

पांचवां प्रश्नपत्र
PGDHJ005(A) एवं PGDHJ005(B)

समाचार लेखन : व्यावहारिक अभ्यास

प्रथम सेमेस्टर PGDHJ001(A)-50 अंक **अंक 100 : प्रायोगिक 100**
द्वितीय सेमेस्टर PGDHJ001(B)-50 अंक **क्रेडिट:2**

उद्देश्य

- ❖ प्रशिक्षार्थियों को समाचार लेखन और रिपोर्टिंग के अभ्यास कराना।
- ❖ रिपोर्टिंग के क्षेत्र: नगर, सभा/सेमिनार/सम्मलेन, त्यौहार, नागरिक समस्याएं, शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कृषि, बिजनेस, कला और संस्कृति, पर्यावरण, फैशन, लाइफस्टाइल, मनोरंजन, खेल आदि के अभ्यास

रिपोर्टिंग और समाचार लेखन अभ्यास **कुल अंक: 60 (प्रथम सेमेस्टर 30 अंक + द्वितीय सेमेस्टर 30 अंक)**

नोट- दोनों सेमेस्टर में रिपोर्टिंग और समाचार लेखन अभ्यास होंगे। इसके लिए कुल 60 अंक निर्धारित हैं, जिसमें से प्रथम सत्र के लिए 30 अंकों और द्वितीय सत्र के लिए 30 अंकों की प्रायोगिक परीक्षा/सत्रीय कार्य निर्धारित हैं।

- ☞ प्रशिक्षुओं से अपेक्षा की जाती है कि वे समाचार लेखन/रिपोर्ट का अधिक से अधिक व्यावहारिक अभ्यास करेंगे। इसके लिए उन्हें समय-समय पर समाचार स्टोरी/रिपोर्ट लिखने के लिए अभ्यास दिए जाएंगे। दोनों सत्रों में इसका परीक्षण होगा। संकाय सदस्य उन्हें सभी क्षेत्रों के बारे में समाचार/रपट, समाचार विश्लेषण, साक्षात्कार, समाचार फीचर, इनडेप्थ रिपोर्ट लिखने के अभ्यास कार्य देंगे।
- ☞ प्रशिक्षुओं को कक्षा में दिए गए अभ्यासों की फाइल तैयार करनी होगी। दोनों सत्रों में मिलाकर कम से कम 30 सत्रीय कार्य करने होंगे। अर्थात प्रथम सत्र में न्यूनतम 15 सत्रीय कार्य और द्वितीय सत्र में न्यूनतम 15 सत्रीय कार्य करने होंगें। प्रथम एवं द्वितीय सत्रांतों में क्रमशः इनका मूल्यांकन किया जाएगा।
- ☞ कक्षा में रिपोर्टिंग के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में नियमित चर्चा भी होगी जिसमें सभी प्रशिक्षुओं की सहभागिता और प्रस्तुति अनिवार्य है।
- ☞ रिपोर्टिंग के लिए सोशल मीडिया का उपयोग और रिपोर्टर के बतौर सोशल मीडिया हैंडल करने का अभ्यास।

फैक्ट चेकिंग कार्यशाला **20 अंक**

नोट- फैक्ट चेकिंग की प्रायोगिक परीक्षा प्रथम सत्र में होगी, जिसके लिए कुल 20 अंक निर्धारित है।

- ☞ विद्यार्थियों के लिए आनलाइन फैक्ट चेकिंग कार्यशाला आयोजित की जायेगी. इन कार्यशालाओं में उन्हें फेक न्यूज और अप-प्रचार को पहचानने, उसकी छानबीन करने और तथ्यों को सामने लाने के औजारों से परिचित कराया जाएगा। विद्यार्थियों से अपेक्षा की जायेगी कि इन कार्यशालाओं के बाद वे समाचार माध्यमों, सोशल मीडिया से लेकर निजी व्हाट्सएप्प पर आनेवाली कम से कम 5 फेक न्यूज या प्रोपेगंडा की पहचान करेंगे, उसकी छानबीन करके सच्चाई और तथ्यों को सामने लायेंगे।

मोबाइल पत्रकारिता (मोजो) और रिपोर्टिंग कार्यशाला **20 अंक**

नोट- मोबाइल पत्रकारिता और रिपोर्टिंग प्रशिक्षण प्रथम एवं द्वितीय दोनों सेमेस्टरों में आयोजित होगा। इसकी प्रायोगिक परीक्षा/असाइनमेंट द्वितीय सेमेस्टर में किया जाएगा, जिसके लिए 20 अंक निर्धारित है।

- ☞ मोबाइल (स्मार्टफोन) के जरिये समाचार रिपोर्टिंग और फीचर स्टोरी करने का प्रशिक्षण मोबाइल पत्रकारिता पर एक कार्यशाला के जरिये आयोजित किया जाएगा।
- ☞ कार्यशाला के बाद विद्यार्थियों से अपेक्षा है कि वे मोजो के जरिये कम से कम 4 स्टोरीज करेंगे. वे अपना यू-ट्यूब चैनल भी शुरू कर सकते हैं जहाँ इन स्टोरीज को प्रकाशित/प्रसारित कर सकते हैं।

नोट: पांचवें प्रश्नपत्र PGDHJ005(A) एवं PGDHJ005(B) की प्रायोगिक/असाइनमेंट परीक्षा के लिए कुल 100 अंक निर्धारित है। इसमें प्रश्नपत्र PGDHJ005(A) की परीक्षा प्रथम सत्र के अंत में 50 अंकों की और प्रश्नपत्र PGDHJ005(B) की परीक्षा द्वितीय सत्र के अंत में 50 अंकों की होगी।

छठा प्रश्नपत्र
PGDHJ006(A) एवं PGDHJ006(B)

संपादन : व्यावहारिक अभ्यास

प्रथम सेमेस्टर PGDHJ006(A)-50 अंक **अंक 100 : प्रायोगिक 100**
द्वितीय सेमेस्टर PGDHJ006(B)-50 अंक **क्रेडिट:2 (Aएवं B)**

उद्देश्य

❖ प्रशिक्षार्थियों को हर प्रकार के लेखन के संपादन के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराना और उनका अभ्यास कराना। प्रशिक्षुओं को आनलाइन कक्षाओं के शुरू होने के 4 सप्ताहों के अंदर फोनेटिक-इनस्क्रिप्ट टाइपिंग सीखनी होगी और सभी असाइनमेंट टाइप करके जमा करने होंगे।

संपादन कार्यशाला **कुल अंक: 30 (प्रथम सत्र- 15 अंक + द्वितीय सत्र- 15 अंक)**

☞ संपादन के अधिक अभ्यास के लिए नियमित कार्यशालाएँ आयोजित की जाएंगी। प्रशिक्षुओं को अंशकालिक संवाददाताओं, संवाद समितियों, कार्यालय संवाददाताओं और विशेष संवाददाताओं की रपटों और संपादकीय तथा विशेष लेखों के संपादन का अभ्यास कराया जाएगा।

लैब जर्नल **कुल अंक: 30 (प्रथम सत्र- 15 अंक + द्वितीय सत्र- 15 अंक)**

☞ आठ से दस छात्रों के प्रत्येक समूह को कम से कम 10 प्रायोगिक समाचार पत्र निकालने होंगे। यह प्रायोगिक पत्र प्रशिक्षुओं के मूल्यांकन का आधार होंगे, जिसके लिए 20 अंक निर्धारित हैं। हिंदी और अंग्रेजी में टाइपिंग में दक्षता अनिवार्य है, जिसके लिए 5 अंक निर्धारित हैं।

अनुवाद कार्यशाला **20 अंक**

नोट: अनुवाद की प्रायोगिक परीक्षा प्रथम सेमेस्टर में आयोजित होगी।

☞ समय-समय पर अनुवाद की कार्यशालाएँ आयोजित की जाएंगी। पूरे पाठ्यक्रम के दौरान अनुवाद का अभ्यास होंगे जिनमें से कुछ का मूल्यांकन भी होगा।

फोटो पत्रकारिता कार्यशाला **10 अंक**

नोट: फोटो पत्रकारिता की प्रायोगिक परीक्षा द्वितीय सेमेस्टर में आयोजित होगी।

☞ पत्रकारिता के लिए फोटो खींचने और उनका माध्यमों में प्रयोग करने संबंधी कार्यशालाएँ आयोजित की जाएंगी।

☞ ड्रोन आधारित प्रशिक्षण भी सम्मिलित है।

समसामयिक चर्चा **10 अंक**

नोट: समसामयिक चर्चा की प्रायोगिक परीक्षा द्वितीय सेमेस्टर में आयोजित होगी।

☞ कक्षा में समसामयिक मुद्दों पर नियमित रूप से चर्चा होगी। सभी छात्रों की भागीदारी अनिवार्य होगी। चर्चा में प्रासंगिक सवाल उठाने अथवा टिप्पणी करने वाले छात्रों को अतिरिक्त अंक मिलेंगे।

नोट: छठवें प्रश्नपत्र PGDHJ006(A) एवं PGDHJ006(B)की प्रायोगिक/असाइनमेंट परीक्षा के लिए कुल 100 अंक निर्धारित है। इसमें प्रश्नपत्र PGDHJ006(A) की परीक्षा प्रथम सत्र के अंत में 50 अंकों की और प्रश्नपत्र PGDHJ006(B)की परीक्षा द्वितीय सत्र के अंत में 50 अंकों की होगी।

सातवां प्रश्नपत्र
PGDHJ007

जनसंपर्क, विज्ञापन और मीडिया प्रबंधन

अंक 100 : सैद्धांतिक 70, प्रायोगिक 30
क्रेडिट:2

उद्देश्य

- ❖ प्रशिक्षार्थियों को पत्रकारिता और मीडिया कारोबार प्रबंधन से परिचित कराना
- ❖ विज्ञापन और जन संपर्क की भूमिका, महत्व और पारस्परिक संबंधों से अवगत कराना
- ❖ प्रशिक्षुओं में उद्यमिता की प्रवृत्ति विकसित करना

खंड–1 **30 अंक**

(अ) जनसंपर्क

- जनसंपर्क : अवधारणा, परिभाषा, भूमिका और उद्देश्य
- मीडिया में समाचार के स्रोत के तौर पर जनसंपर्क
- जनसंपर्क प्रक्रिया और उसका सामाजिक एवं राजनीतिक संदर्भ
- जनसंपर्क के साधन और तरीके
- मीडिया संपर्क (Media Relations)
- नैतिक और विधायी मुद्दे (पेड न्यूज़, मीडिया नेट, एडवर्टोरियल, विशेषांक, बिजनेस चैनल में स्टॉक बाज़ार का विश्लेषण; पेड
- एपीयरेंस, आदि)
- सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में जनसंपर्क
- लक्षित समूह सेग्मन्टेशन
- भारतीय संदर्भ में सोशल मार्केटिंग
- डिजिटल दौर में जनसंपर्क की चुनौतियाँ
- सोशल मीडिया हैंडलिंग

(ब) निगमीय संचार

- कॉरपोरेट क्षेत्र और समाचार में रहने की उसकी आवश्यकता की समझ
- कॉरपोरेट संचार : अवधारणा और प्रक्रिया
- समाचार पत्रों को ब्रांड की तरह तैयार करना (केस स्टडी के साथ)
- आपदा संचार और मीडिया रिपोर्टिंग
- निगमीय सामाजिक ज़िम्मेदारी (CSR) – सॉफ्ट समाचारों के स्रोत के तौर पर
- निगमों के लिए लेखन : न्यूज़ लेटर, प्रेस विज्ञप्ति, आंतरिक पत्रिका

खंड–2 **15 अंक**

विज्ञापन

- विज्ञापन : अवधारणा, भूमिका, उद्देश्य और महत्व
- विज्ञापन के कार्य, प्रकार और विज्ञापन से जुड़े मुद्दे
- मीडिया और विज्ञापन पर वर्तमान विमर्श: समाचार की वस्तुनिष्ठता और निष्पक्षता पर प्रभाव
- विज्ञापन एजेंसी का ढाँचा : उसके विभिन्न विभाग और उनके कार्य
- सृजनात्मकता और कैंपेन प्लानिंग

- विज्ञापन का आार्थिक और सामाजिक प्रभाव
- मीडिया प्लानिंग और मीडिया क्रय की अवधारणा
- विज्ञापन में क़ानून और नैतिकता : ए.ए.ए. (AAA), ए.एस.सी.आई (ASCI) और विज्ञापनदाताओं के लिए दूरदर्शन की संहिता
- की भूमिका
- ब्रांड प्रबंधन : मूल तत्व
- विज्ञापन में कानूनी और नैतिकता के मुद्दे
- डिजिटल दौर में विज्ञापन
- डिजिटल मार्केटिंग

खंड–3 **15 अंक**

मीडिया कारोबार और प्रबंधन

- भारतीय मीडिया उद्योग का ढांचा, आकार और विस्तार
- स्वामित्व के स्वरूप और उनमें बदलाव
- मीडिया कारोबार और प्रबंधन : कंपनी की संरचना, निदेशक मंडल, प्रबंधन का ढांचा, विभिन्न विभाग, दायित्व और समन्वय
- मीडिया संस्थाओं का प्रबंधन व्यवस्था : वित्त/लेखा, मानव संसाधन, मार्केटिंग आदि
- मीडिया संस्थाओं का अर्थतंत्र एवं विपणन– वितरण, विज्ञापन और समाचारपत्रों तथा समाचार चैनलों के विपणन के बदलते आयाम
- समाचार पत्र प्रबंधन : मानव संसाधन, मार्केटिंग, प्रबंधन और संपादकीय विभाग के बीच समन्वय

खंड-4 **10 अंक**

उद्यमिता पत्रकारिता

- उद्यमिता पत्रकारिता : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्व और वैश्विक परिप्रेक्ष्य
- उद्यमिता पत्रकारिता : वित्त और प्रबंधन व्यवस्था के प्रमुख सिद्धांत
- पत्रकारिता के नए कारोबारी मॉडल : बदलते दौर में अवसर और चुनौतियाँ
- उद्यमिता का विकास और 'उद्यमिता इनक्यूबेटर': कारोबार विकसित करने के तरीके, आइडिया और स्टार्ट-अप, फंड जुटाना, प्रबंधन और विस्तार
- संचार और मीडिया तकनीक की भूमिका और तकनीक के क्षेत्र में नए ट्रेंड
- उद्यमिता पत्रकारिता : भारतीय सन्दर्भ में केस स्टडीज और उदाहरण

खंड-5 **30 अंक**

व्यावहारिक अभ्यास/असाइनमेंट

- आंतरिक/बाह्य शिक्षक/विशेषज्ञ के मार्गदर्शन/निर्देश पर किसी मीडिया संस्थान की स्थापना, विकास और वर्तमान स्थिति तक के सफर पर विस्तार से एक रिपोर्ट/पावर प्वाइंट प्रस्तुति तैयार करके विभाग में प्रस्तुत करना होगा।
- दिये गये विषय पर एक प्रेस विज्ञप्ति लिखकर विभाग में प्रस्तुत करना होगा।

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- ❑ विज्ञापन और जनसंपर्क - जयश्री जेठवानी, सागर प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
- ❑ भारत में समाचार पत्र प्रबंधन - गुलाब कोठारी, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1997
- ❑ भारतीय मीडिया व्यवसाय – वनिता कोहली खांडेकर, सेज/ भाषा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017
- ❑ भारत में विज्ञापन- प्रदीप सौरभ, मानुषी, नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत, 2014

- Effective Public Relations- Cutlip Scott M Etal, New Jersy: Prentice Hall, 1994
- Public Relations Concepts, Strategies and Tools- Jaishri Jethwaney, Sterling, New Delhi: 1994
- Advertising- Jaishri Jethwaney, Phonix Publishing House, New Delhi, 1999
- Integrated Advertising, Promotion and Marketing Communication- ClowBaack
- Advertising Management- Batra, Myers & Aaker, 5th Edition
- The power of corporate communication; Argenti, Paul A. & Forman, Janis
- Corporate Communication: Principle and Practice, Prof. J. Jethwaney, OUP, New Delhi, 2010
- Corporate Communication: A guide to theory and Practice, JoepCornelissen, Sage Publication, New Delhi, 2009
- Essentials of Corporate Communication: Implementing Practices for Effective Reputation Management-Cees B. M. van Riel and Charles J. Fombrun, Routledge, Indian ed. London, 2011
- Advertising Management, Jaishri Jethwaney and Shruti Jain, OUP, New Delhi, 2006
- Communication in Organisations, Dalmar Fisher, Jaico Publishing House, Mumbai, 1999
- Saving the Media: Capitalism, Crowdfunding, and Democracy- Julia Cage, Harvard University Press, MA, 2016
- Shoveling Smoke: Advertising and Globalisation in Contemporary India- W. Mazzarella, Duke University Press, Durham 2003
- Enterprenurial Journalism: How to Build What is Next for News- Mark Briggs, Sage Publishing, 2011
- Enterprenurial Journalism: How to go it alone and launch your dream project- Paul Marsden, Routledge, 2017
- Enterprenurial Journalism: Kevin Rafter (Ed), Routledge, 2018
- Indian Media Giants: Unveiling Business Dynamics of Print Legacies in India, Dahiya, S. (2022). Oxford University Press, India.
- The House that Zee Built, Dahiya, S. (2021). Rupa Publications, India.
- Connecting Threads a compendium of Indian media educators, Dahiya, S. (2018). Exchange4media India.

आठवां प्रश्नपत्र
PGDHJ008

प्रसारण पत्रकारिता

अंक 100 : सैद्धांतिक 60, प्रायोगिक 40
क्रेडिट:4

उद्देश्य

❖ प्रशिक्षार्थियों को रेडियो और टेलीविज़न पत्रकारिता में रिपोर्टिंग, संपादन और प्रस्तुतिकरण से परिचित कराया जाएगा।

खंड-1 **15 अंक**

दृश्य संचार और फोटो पत्रकारिता

- दृश्य संचारः अवधारणा व प्रक्रियाएँ
- दृश्य संचार के सिद्धांत
- दृश्य साक्षरता, दृश्य की समझ, मत निर्माण में दृश्यों की भूमिका
- विभिन्न माध्यमों में दृश्यों का उपयोग
- दृश्य-विरूपण/अर्थांतरण
- दृश्यों की नैतिकता
- फोटो पत्रकारिता का उद्भव और विकास
- फोटोग्राफी : फोटो की समझ, व्याकरण, तकनीक, प्रक्रिया
- समाचारों और घटनाओं का तस्वीरों के ज़रिए कवरेज
- फोटो फीचर और कैप्शन लिखने की तरीके

खंड–2

(अ) टेलीविजन प्रसारण एवं समाचार **10 अंक**

- टीवी प्रसारण के सिद्धांत एवं विशेषताएँ
- भारत में टेलीविजन प्रसारण का इतिहास : एसआईटीई, टेरेस्ट्रीअल, केबल एवं सेटेलाइट
- चैनल वितरण (डिस्ट्रब्यूशन) : एमएसओ, सीएएस, एचआईटीएस, डीटीएच, आईपीटीवी, ओटीटी आदि
- मोबाइल पर टीवी : 4 जी और 5 जी के बाद उभरता परिदृश्य
- भारतीय टेलीविजन इंडस्ट्री की वर्तमान प्रवृत्तियाँ : सार्वजनिक टेलीविजन प्रसारण सेवा, व्यवसायिक प्रसारण

खंड–2

(ब) टेलीविजन न्यूज चैनल का सांगठनिक ढांचा : टेलीविजन समाचार कक्ष/टीवी समाचार लेखन/टेलीविजन समाचार प्रोडक्शन और कार्य **20 अंक**

- इनपुट/आउटपुट/असाइनमेंट/ग्राफिक्स/विडियो एडिटिंग/एनिमेशन आदि
- टीवी समाचार : संकल्पना, वीडियो के लिए लेखन
- टीवी रिपोर्टिंग : पीस टू कैमरा, वॉयस ओवर और संपादन
- समाचार वाचन और प्रस्तुति (एंकरिंग)/प्रस्तोता (एंकर) लिंक/टेली प्रॉम्पटर
- ब्रेकिंग न्यूज/विशेष समाचार, लाइव, फोन इन, टिकर
- दृश्य संयोजन, रचना और संपादन (पीसीआर गतिविधि), ओबी
- टीवी समाचार : तकनीक और प्रोडक्शन/पैकेज/डिबेट शो की तैयारी आदि

- टेलीविजन कार्यक्रम, योजना, प्रस्तुति और प्रोडक्शन
- वीडियो कैमरा : विशेषताएँ, प्रकार और संचालन
- एकल, द्वि और बहु कैमरा प्रोडक्शन
- टीवी : प्रकाश और ध्वनि संयोजन/स्टूडियो संरचना/सेट आदि
- ई.एन.जी और फील्ड प्रोडक्शन
- पोस्ट प्रोडक्शन : वीडियो संपादन, विजुअल-साउंड इफेक्ट
- ग्राफिक्स, एनिमेशन

खंड– 3

रेडियो प्रसारण एवं समाचार **15 अंक**

- रेडियो प्रसारण के सिद्धांत और विशेषताएँ
- भारत में प्रसारण का उदभव औऱ विकास: सार्वजनिक प्रसारण सेवा/एफएम प्रसारण
- सामुदायिक रेडियो : भूमिका और कार्यप्रणाली, प्रबंधन
- रेडियो समाचार लेखन : संरचना, इंट्रो, बॉडी, एजेंसी कॉपी का संपादन
- रेडियो समाचार कक्ष का ढांचा और कार्यप्रणाली
- वॉयस डिस्पेच, साउंड बाइट्स, वॉक्सपॉपुली
- रेडियो के लिए इंटरव्यू, फोन इन
- रेडियो समाचार का संपादन
- साउंड मिश्रण
- रेडियो समाचा रः भाषा, प्रस्तुति और संयोजन
- समाचार वाचन, एंकरिंग, चर्चा, वार्ता, लाइव चर्चा
- विशेष रेडियो कार्यक्रम
- रेडियो पर मनोरंजन के कार्यक्रम : आइडिया, योजना, स्क्रिप्टिंग, एंकरिंग और प्रस्तुति
- स्टूडियो रिकार्डिंग/ओबी रिकार्डिंग
- ध्वनि : सिद्धांत और संयोजन
- माइक्रोफोन, स्टूडियो संरचना, रिकार्डिंग उपकरण, डिजिटल रिकार्डिंग और संपादन
- एफएम रेडियो स्टेशन प्रबंधन

व्यावहारिक अभ्यास **40 अंक**

रेडियो कार्यक्रम **10 अंक**

- घटना-कार्यक्रम की रिपोर्टिंग और साउंड बाइट्स की रिकॉर्डिंग।
- समाचार रिपोर्ट लेखन और संपादन।
- वॉयस कास्ट की रिकॉर्डिंग/पॉडकॉस्ट
- समूह में बुलेटिन का प्रोडक्शन।

टेलीविजन समाचार **30 अंक**

- लेखन, प्रस्तुतीकरण और पी.टी.सी. की रिकॉर्डिंग।
- कॉपी संपादन और न्यूज रिपोर्ट का वीडियो संपादन।
- वॉयस ओवर और रिकॉर्डिंग।
- पैकेजिंग, समूह में बुलेटिन का प्रोडक्शन।

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- दूरदर्शन : दशा और दिशा - सुधीश पचौरी, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, 1994
- प्रसारण और समाज - मेहरा मसानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 1977
- भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया - डॉ देवव्रत सिंह, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
- साइबर स्पेस और मीडिया - सुधीश पचौरी, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
- जनमाध्यम, प्रौद्योगिकी और विचारधारा - जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली , 2012
- टेलीविजनः प्रौद्योगिकी औप सांस्कृतिक रूप- रेमंड विलियम्स, ग्रंथशिल्पी, नई दिल्ली, 2010
- टेलीविजन चैनल और सत्यकथाकरण, डा. प्रवीण कुमार झा, तरुण प्रकाशन, गाजियाबाद
- फोटोग्राफी : सम्पूर्ण जानकारी, अशोक दिलवाली (अनुवाद : शमशेर सिंह), राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली
- टेलीविजन की भाषा, हरीश चंद्र वर्णवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
- न्यूज चैनलों का जनतंत्र, प्रो. आनंद प्रधान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- नब्बे सेकंड की टीवी पत्रकारिता, विजय विद्रोही, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
- टेलीविजन पत्रकारिता, धरवेश कठेरिया, शिल्पायन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली
- Radio: A Guide to Broadcasting techniques by Elwyn Evans (Barrie and Jenkins)
- Broadcasting and the People- Mehra Masani, National Book Trust, New Delhi
- Television in India: Changes and challenges-GopalSaksena: Vikas Publishing, 1996
- Television and Social Change in Rural India- Kirk Johnson, Sage Publications
- The Radio Handbook, Carole Fleming, Routledge, 2002
- Broadcast Journalism, Andrew Boyal, OUP, 1999
- Broadcast News Writing, Reporting and Producing, Ted White (II Edition), Focal Press, 1996
- Television News, Ivor Yorke, Focal Press, Oxford, 1995
- Broadcasting Journalism: Techniques of Radio & television News, Andrew Boyd, New Delhi
- Broadcast Journalism in the 21st Century, K M Srivastava, New Delhi, 2005
- The Broadcast Journalism Handbook: A television news survival guide, Robert Thompson, Oxford, 2004
- Broadcasting and Telecommunication: An Introduction, John R Bittner, New Jersey, 1991
- Broadcast News Writing style book, Robert A Papper, London, 1995
- Visual Communication: A guide for New Media Professionals. Christopher R Harris, London, 2002
- An Introduction to writing for Electronic Media: script writing essentials across the Genres, Rober B
- Musburger, Focal Press, Oxford, 2000
- Indian Broadcasting, H K Luthra, Publications Division, New Delhi, 1987
- Modern Radio Production, HausmanMeesere, benoit& O' Donnel Wadsworth, Boston, 2010
- Radio in Global Age, David Mandy, Polity Press, Cambridge, 2000
- Television in India: Satellites, Politics and Cultural Change, Nalin Mehta, Routledge, New York, 2008

नौवां प्रश्नपत्र
PGDHJ009

विकास पत्रकारिता

अंक 100 : सैद्धांतिक 70, प्रायोगिक 30
क्रेडिट:4

उद्देश्य

- ❖ प्रशिक्षार्थियों को विकास के विभिन्न परिप्रेक्ष्यों, राष्ट्रीय विकास के विशेष मुद्दों एवं योजनाओं और उनमें संचार और मीडिया की भूमिका से परिचित कराना।
- ❖ विकास संबंधित मुद्दों की रिपोर्टिंग करने की कला और कौशल।

खंड–1 **25 अंक**

विकास : सिद्धांत और व्यवहार

- भारत में विकास की परंपरागत एवं प्राचीन अवधारणा।
- भारतीय अर्थव्यवस्था : उद्योग, उद्यमिता की प्राचीन, परंपरागत अवधारणाएं।
- विकास विमर्श : विविध आयाम, दृष्टिकोण : प्रभावी, निर्भरता एवं सहभागी सिद्धांत।
- विकास मानदंड/सूचकांक : स्थायी विकास, मानव विकास, लैंगिक संवेदनशील, कंफ्लिक्ट-फ्री, आदि।
- भूटान का विकास अनुप्रयोग : सुख संकेतक (हैप्पीनेस इंडेक्स)
- मीडिया और विकास के लिए अधिकार-आधारित रुख : सूचना का अधिकार, स्वतंत्र अभिव्यक्ति का अधिकार, विविधता, बहुलता, सहभागिता, जवाबदेही, पारदर्शिता।
- विकास और संचार (रोजर्स, श्रेम, आदि)।
- आई.सी.टी. और विकास : सोशल मीडिया, इंटरनेट और मोबाइल टेलीफोनी, ई-शासन (गवर्नेंस) संचार व्यवस्था, वैश्वीकरण।
- विकास संगठनों का संसार : संयुक्त राष्ट्र संघ, मिलेनियम लक्ष्य, डिजिटल डिवाइड, सिविल सोसाइटी
- सामुदायिक और वैकल्पिक मीडिया।

खंड–2 **30 अंक**

भारत का विकास पथ और चुनौतियां

- विकसित भारत का संकल्प: 2047 तक भारत को विकसित बनाने की योजना का प्रारूप
- आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय, विकास, स्वतंत्रता और अवसर; सरकार, राज्य और बाजार, जन नीति और गरीब।
- पर्यावरण और विकास : विकास के दौर में पर्यावरण के मुद्दे; पर्यावरणीय शासन(गवर्नेंस); पर्यावरणीय राजनीति और मुद्दे; प्रकृत्ति का मोल; पर्यावरणीय अधिकार, शहरीकरण के मुद्दे।
- विकास (ग्रोथ), गरीबी और बेरोजगारी : भारत में आर्थिक वृद्धि (ग्रोथ); समकालीन भारत में गरीबी और बेरोजगारी के मुद्दे; गरीबी उपशमन और समानता, बाजार और आम वस्तुएं; संपत्ति का सृजन और वितरण।
- शिक्षा और स्वास्थ्य : बुनियादी सेवाएं और अधिकार; संवैधानिक अधिकार; शिक्षा और स्वास्थ्य तथा सामाजिक परिवर्तन; तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भारत; उदारीकरण, बाजार और बुनियादी सेवाएं।
- आजीविका से जुड़े मुद्दे : भूमि, कृषि, खाद्य, पानी, जैवविविधता, ऊर्जा : आजीविका का अधिकार; भारत में कृषि और किसान; भूमि, जल, पशु संपदा, ग्राम, गौवंश और दुधारु देसी नस्लों का महत्व व संरक्षण और आजीविका; ऊर्जा और आजीविका; शहरी आजीविका; सामुदायिक अधिकार।
- लैंगिक मुद्दे : लैंगिक समानता और सामाजिक तरक्की; महिला रोजगार और आर्थिक तरक्की (ग्रोथ); महिलाएं और भूमि के अधिकार; महिलाओं का पिछड़ापन और चिंतनीय मुद्दे; महिला आंदोलन।

- उदारीकरण, वैश्वीकरण और विकास के मुद्दे : विकास और उसकी कीमत; मुक्त और निष्पक्ष व्यापार; बाजार सुधार और संस्थाएं; आर्थिक लोकतंत्र; निगमीय ढांचा और शक्ति।
- भारत का सामाजिक विकास और सरकारी कार्यक्रम : एक विवेचनात्मक विवरण : सामाजिक विकास : प्रमुख मुद्दे; सामाजिक विकास कार्यक्रम और उनका प्रभाव; सामाजिक विकास : एक तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य; सामाजिक विकास और सुधार; सामाजिक विकास सूचकांक।
- विकास और लोकतंत्र के लिए शासन (गवर्नेंस) : शासन, गरीबी और विकास; भारत में शासन के मॉडल्स; बाजार और शासन के मुद्दे; लोग और शासन (गवर्नेंस); भारत में ब्यूरोक्रेसी (अफसरशाही) और विकास।
- दिव्यांग कल्याण की योजनाएं/नवीनतम प्रयास।
- विकास एवं परंपरागत भारतीय ज्ञान कौशल-अनप्रयोग, भारतीय गौवंश/पशु संपदा का जैविक कृषि में सदुपयोग।
- भारतीय पंचायती राज व्यवस्था: ऐतिहासिक विकास क्रम, ग्राम आधारित अर्थव्यवस्था एवं विकेन्द्रित विकास मॉडल का महत्व। प्राचीन भारतीय परंपरागत अर्थव्यवस्था के संदर्भ में महात्मा गांधी, सर्वोदय/अंत्योदय/एकात्म मानव दर्शन विचार सहित श्री धर्मपाल, एंगस मेडिसन आदि के अध्ययन।

खंड–3 **15 अंक**

विकास पत्रकारिता : विकास समाचारों की रिपोर्टिंग

- विकास से संबंधित स्टोरी के लिए स्रोत : सरकारी और गैर सरकारी स्रोत; फील्ड वर्क; शोध (रिसर्च); साक्षात्कार; समूह परिचर्चा और परम्परागत तथा गैर परम्परागत स्रोत।
- विविध विकास रिपोर्टिंग और लेखन के औजार तथा तकनीक।
- विभिन्न प्रकार की विकास स्टोरी : समाचार, फीचर और रिपोर्ट।
- आंकड़े और सांख्यिकी।

खंड–4 **30 अंक**

विकास से संबंधित मुद्दों पर शोध रिपोर्ट

☞ प्रत्येक विद्यार्थी को लगभग 1500-1500 शब्दों की चार रिपोर्टें/फीचर विकास से संबंधित मुद्दों पर मूल्यांकन के लिए जमा करनी होगी। इस सम्बन्ध में वे संबंधित संकाय सदस्य से संपर्क करके स्टोरी आइडिया/विषय/मुद्दे तय कर लें और इसे लिखित रूप में विभाग को भी सूचित कर दें। विद्यार्थियों से विकास से जुड़े मुद्दों पर आयोजित होनेवाले सेमिनारों और कान्फ्रेंसों में शरीक होने की उम्मीद भी की जाती है।

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- ❑ विकास का समाज शास्त्र- श्यामाचरण दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- ❑ भारत और उसके विरोधाभास- ज्यां द्रेज़ और अमर्त्य सेन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018
- ❑ जनमाध्यम, संप्रेषण और विकास - देवेन्द्र इस्सर, इंद्रप्रस्थ, नई दिल्ली, 1995
- ❑ विकास पत्रकारिता - राधेश्याम शर्मा, हिन्दी साहित्य अकादमी, चंडीगढ़,1990
- ❑ कृषि एवं ग्रामीण विकास पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी, 1999
- ❑ संयुक्त राष्ट्र की मानव विकास रिपोर्ट
- ❑ भारत (2023), वार्षिक सन्दर्भ-ग्रन्थ, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार
- ❑ कृषकों में वैज्ञानिक कृषि-विचारों का सम्प्रेषण : शीलस्वरूप पाण्डेय, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (प्रा.) लिमिटेड, नई दिल्ली
- ❑ सुमंगलम्: विकास का नया प्रतिमान, डॉ. बजरंगलाल गुप्ता, सुरुचि प्रकाशन, नई दिल्ली
- ❑ The World Economy: A Millennial Perspective, Historical Statistics, Angus Maddiso, Academic Foundation; Two-in-one Edition
- ❑ The Beautiful Tree: Indigenous Indian Education in the Eighteenth Century, Dharmpal, Other India Press,

Mapusa 403507, Goa, India
- Panchayati raj and india's polity, Dharmpal, Other India Press, Mapusa 403507, Goa, India
- India: Economic Development and Social Opportunity- Jean Dreze and Amartya Sen, Oxford University Press, Delhi, 1995
- Democratic Governance in India: Challenges of Poverty, Development, and Identity- Niraja Gopal Jayal and Sudha Pai, SAGE, Delhi, 2001
- Democracy, Difference & Social Justice- Gurpreet Mahajan, Oxford University Press, Delhi, 1998
- An Uncertain Glory: India and its Contradictions- Jean Dreze and Amartya Sen, Princeton University, USA, 2013
- The Myth of the Information Revolution: Social and Ethical Implications of Communication
- Technology- Michael Traber (ed.), Sage, London, 1986
- Ravi Sundaram 2010 Pirate Modernity: Delhi's Media Urbanism, Routledge, New Delhi
- Consuming Technologies: Media and Information in Domestic Spaces- R. Silverstone and E. Hirsch (Eds), Routledge, London, 1992
- United Nations Development Programme, 2000-2010 Human Development Reports
- UN Documents, 2000-2010 Committee on Economic, Social and Cultural Rights Reports
- Communications and Democracy- Brij Tankha (Ed.), Southbound, Cendit, 1995
- The Challenge to the South: The Report of the South Commission, South Commission, South Commission, 1990
- Thijis de la Court 1991 Different Worlds: Environment and Development Beyond the 90s, International Books, Utrecht
- Human Rights, Justice, & Constitutional Empowerment- C. Raj Kumar & K. Chockalingam (eds) Oxford University Press, Delhi, 2007
- Right to Food vol 1- Colin Gonsalves, Vinay Naidoo & Others (eds), Human Rights Law Network, Delhi.2008
- Judicial Activism in India: Transgressing Borders and Enforcing Limits- S. P. Sathe, Oxford University Press, Delhi, 2002
- Supreme But Not Infallible- B N Kripal, Ashok H. Desai, Gopal Subramanium, Rajeev Dhavan and Raju
- Ramchandran (eds), Oxford University Press, Delhi, 2000
- The Rights Revolution: Lawyers, Activists and Supreme Courts in Comparative Perspective, Charles Epp, University of Chicago Press, Chicago, 1998
- Alternative Journalism, Alternative Media, Communication Resource, Michael Traber, Phillippines, 1985
- Everybody loves a good drought: stories from India's poorest districts- P. Sainath, Penguin Books, Delhi, 1996
- Notes from another India- Jeremy Seabrook, Pluto Press, London, 1995
- Shaping Policy: Do NGOs Matter: Lessons from India- Azeez Mehdi Khan, PRIA, New Delhi, 1997
- Voices of the Poor: Crying Out for Change- Deepa Narayan, Robert Chambers, Meera K. Shah, Patti Petesch (eds.), Oxford University Press, New York, 2000
- Improving People's Lives: Lessons in Empowerment from Asia- Mukul Sharma (ed), SAGE, Delhi, 2003
- Empowering People: Insights from a Local Experiment in Participatory Planning- M.P. Parameswaran, Daanish Books, Delhi, 2005
- Cellphone Nation: How Mobile Phones have Revolutionized Business, Politics and Ordinary Life in India-

Robin Jeffrey and Assa Doron, Hachette India, Gurgaon, 2013

- Network Power: the Social Dynamics of Globalisation- D Singh Grewal, Yale University Press, New Haven, 2008
- The Telecom Revolution in India: Technology, Regulation and Policy- V. Sridhar, Oxford University Press, Delhi, 2012
- Digital India: Understanding Information, Communication and Social Change- P.N. Thomas, SAGE, Delhi, 2012
- Questioning the Media: A Critical Introduction- John Downing, Mohammadi Ali and Annabelle Sreberny-Mohammadi, Sage, London, 1990
- Media and Politics in Asia: Trends, Problems and Prospects- Carolina G. Hernandez, Werner Pfennig (eds.), University of Philippines and Friedrich Naumann Foundation, 1991
- Democracy and the Mass Media- Judith Lichtenbergy, Cambridge University Press, UK, 1991
- Propaganda & the Public Mind- David Barsamian and Noam Chomsky, Madhyam Books, Delhi, 2001
- Sarai Reader 1 2001 the Public Domain, CSDS, Delhi.
- Sarai Reader 4 2004 Crisis/Media, CSDS, Delhi.

दसवां प्रश्नपत्र
PGDHJ010

डिजिटल पत्रकारिता

अंक 100 : सैद्धांतिक 60, प्रायोगिक 40
क्रेडिट:4

उद्देश्य

- ❖ अंकीय सूचना आकार-प्रकार और उनके प्रयोग और क्षेत्र की समझ विकसित करना।
- ❖ प्रशिक्षार्थियों को डिजिटल/वेब प्लेटफॉर्मों के लिए लिखने में दक्ष बनाना।

खंड-1 **10 अंक**

न्यू मीडिया का परिचय

- बेसिक हार्डवेयर : इनपुट-आउटपुट डिवाइसेस, प्रोसेसिंग, स्टोरेज डिवाइसेस, एक्सट्रा पेरिफरल्स (कम्प्यूटर के अन्य साधन)
- साफ्टवेयर का प्रयोग (एप्लिकेशन साफ्टवेयर) : वर्ड प्रोसेसिंग, स्प्रैडशीट, डाटा बेस, ग्राफिक्स, इमेंज एडिटिंग
- इंटरनेट का परिचय, वर्ल्ड वाइड वेब (www), सर्च इंजन
- न्यू मीडिया उद्योग का परिदृश्य
- वेब डिज़ाइनिंग का परिचय : नेविगेशन की भूमिका, रंग, पाठ, छवियाँ, हाइपर लिंक्स, मल्टीमीडिया के तत्व और इंटरेक्टिविटी
- वेब कंटेंट प्रबंधन तंत्र, वर्डप्रेस/जूमला
- पत्रकारों के लिए अंकीय साधन (डॉक्यूमेंट क्लाउड, ओवरव्यू, टाइम लाइन्स, वर्डले, आदि)
- ओपन सोर्स संस्कृति और सॉफ्टवेयर का परिचय, ओपन सोर्स लाइसेंस (क्रिएटिव कॉमन्स)
- अंकीय प्रौद्योगिकी के उपयोग में सुरक्षा के मुद्दे (मेलवेयर, फिशिंग, पहचान की चोरी)

खंड-2 **10 अंक**

डिजिटल पत्रकारिता

- कंनवर्जेंस और पत्रकारिता : माध्यम के रूप में इंटरनेट की अवधारणा और विकास
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस): पत्रकारिता में अनुप्रयोग
- वेब पर समाचार : समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियो और टेलीविजन के वेब पर समाचार प्रसारण
- समाचार प्रसारण के नये साधन, एकीकृत समाचार कक्ष
- पत्रकार के लिए चुनौतियाँ और अवसर : गेटकीपर से समाचार मार्गदर्शक तक
- आंकड़ों की पत्रकारिता : कंप्यूटर अस्सिस्टेड रिपोर्टिंग (CAR), आँकड़ों का विजुएलाइज़ेशन, ओपन सोर्स डेटा संग्रहण और विश्लेषण
- अंकीय विपणन की तकनीकों के बारे में जागरूकता: सर्च इंजन ओप्टिमाइज़ेशन, सर्च इंजन विपणन और ई-मेल विपणन
- डिजिटल युग की चुनौतियाँ : फ़ेक न्यूज, असूचना/झूठी सूचना (मिस-इन्फार्मेशन) और कुसूचना (डिस-इन्फार्मेशन) और प्रोपैगंडा फ़ेक न्यूज, झूठी सूचनाओं और कुसूचना से निपटने के तरीके: जांच-पड़ताल/छानबीन (वेरीफिकेशन) और डिजिटल औजार (टूल्स)

खंड-3 **10 अंक**

सामाजिक मीडिया और नागरिक पत्रकारिता

- न्यू मीडिया और सोशल नेटवर्क : उपकरण और मुद्दे; सामाजिक प्रोफाइल प्रबंधन के उत्पादों का परिचय - फेसबुक, लिंक्डिन, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप्प, क्लबहाउस, एक्स (ट्विटर) स्पेस आदि
- सामाजिक भागीदारी : वर्च्युअल समुदाय - विक्कीस, ब्लॉग, तुरत संदेशन, कोलोबोरेटिव कार्यालय और क्राउड सोर्सिंग
- सामाजिक प्रकाशन : फ्लिकर, इंस्टाग्राम, यू ट्यूब, साऊंड क्लाउड

- पाडकास्टिंग : डिजिटल और सोशल आडियो, प्लेटफार्म, चैनल, शोध, तैयारी, रिकार्डिंग और संपादन और पब्लिशिंग
- नागरिक पत्रकारिता की अवधारणा और मॉडल
- ब्लॉगिंग : ब्लॉगों का संक्षिप्त इतिहास, ब्लॉग नेरेटिव के रूप में, पत्रकारों और ओपिनियनिस्ट के रूप में ब्लॉगर

खंड-4 **10 अंक**

डिजिटल के लिए लेखन

- डिजिटल स्टोरी फॉरमेट
- कंटेंट लेखन, संपादन, रिपोर्टिंग और उसका प्रबंधन
- वेब रिपोर्ट का खाका
- विभिन्न वितरण माध्यमों के लिए कंटेट
- मल्टीमीडिया और इंटरेक्टिविटी
- हाइपर लिंक्स के साथ लेखन
- कंटेंट प्रबंधन और कंटेंट प्रबंधन तंत्र
- स्टोरीबोर्डिंग और प्लानिंग
- वेब पृष्ठों की प्लानिंग और डिज़ाइनिंग, ब्लाग, ई-समाचार पत्र, ई-पत्रिका, समाचार वेबसाइट

खंड-5

(अ) डेटा पत्रकारिता **10 अंक**

- डेटा (आंकड़ा) पत्रकारिता : अवधारणा, विषय-क्षेत्र और प्रासंगिकता
- डेटा के बारे में : डेटा के स्रोत और प्रकार, ओपन डेटा-सेट, डेटा को साफ़-सुथरा करना और डेटा से संबंधित सीमाएं और नैतिक मुद्दे
- डेटा विश्लेषण : डेटा विश्लेषण के तरीके, डेटा में निहित ट्रेंड और उसकी व्याख्या
- डेटा स्टोरीज की प्रस्तुति : डेटा को विजुलाइज करना, इन्फोग्राफिक्स और इंटरएक्टिव और डेटा स्टोरीज में मानवीय पहलू

(ब) मोबाइल पत्रकारिता (मोजो) **10 अंक**

- मोबाइल पत्रकारिता : मोबाइल पत्रकारिता क्या है, मोजो के लाभ, स्मार्टफोन की संभावनाएं और सीमाएं, सीमाओं को पार पाना
- मोजो के लिए आवश्यक जरूरतें : मोजो किट और साफ्टवेयर
- मोबाइल स्टोरी फ़ॉर्मेट : स्टोरीलाइन/स्टोरीबोर्ड, सिक्वेंस
- मोबाइल फोन के जरिए फिल्मांकन : शाट्स और एंगल, फ्रेम और कम्पोजिशन और लोकेशन, लाइटिंग, साउंड
- मोबाइल फोन पर संपादन और उसके एप्प्स
- मोबाइल पत्रकारिता में नैतिकता और बेहतर व्यवहार के उदाहरण
- मोबाइल पत्रकारिता की सीमाएं

व्यावहारिक/प्रायोगिक **40 अंक**

- ब्लॉग लेखन/ व्लॉग निर्माण
- वेब पेज डिज़ाइनिंग (समूह अभ्यास)
- ई-जर्नल का विकास (समूह अभ्यास)
- सोशल मीडिया एंगेजमेंट : फेस बुक, ट्विट्टर, इंस्टाग्राम पर पृष्ठ बनाना, उसका रखरखाव, नियमित अपडेट करना, विजिटर्स के साथ इंगेज करना और ट्रैफिक बढ़ाना
- यू ट्यूब चैनल और मोबाईल (मोजो) स्टोरीज
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता/एआई) अनुप्रयोग कार्यशाला

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- ❑ इंडिया कनेक्टेड- न्यूज मीडिया के प्रभावों की समीक्षा; सुनेत्र सेन नारायण और शालिनी नारायणन (संपादक), सेज प्रकाशन, नई
- ❑ दिल्ली, 2018
- ❑ सोशल मीडिया : एक अभिव्यक्ति, डा. प्रवीण कुमार झा (सं.), तरुण प्रकाशन, गाजियाबाद
- ❑ New Media in Journalism, Prof. (Dr.) Anubhuti Yadav, Sterling Publishers Private Limited, New Delhi
- ❑ New Media Cultures, P. David Marshall, Oxford University Press, 2004
- ❑ The New Media handbook, Andrew Dewdney and Peter Ride, Routledge, 2006
- ❑ Video blogging & Podcasting, Lionel Felix &DameinStolarx, Focal Press, 2006
- ❑ New Communication Technologies, Michael Mirabito, Barbara L. Morgenstern, Focal Press, 2004
- ❑ The New Digital Age, Eric Schmidt & Jared Cohen 2013
- ❑ Journalism Online, Mike Ward, Focal Press, 2002
- ❑ Social Media: A Critical Introduction- Christian Fuchs, Sage Publishing, 2017
- ❑ Digital Sub-editing and Design- Stephen Quinn, Focal Press, Oxford, MA, 2001
- ❑ The Online Journalism Handbook: Skills to Survive and Thrive in the Digital Age- Paul Bradshaw, Routledge, 2015
- ❑ Producing Online News: Stronger Stories, Ryan M Thornburg, CQ Press, Washington, 2011
- ❑ Online Journalism, a Critical Primer, Jim Hall, Pluto Press, London, 2001
- ❑ Mobile Storytelling: A journalist's guide to the smartphone galaxy- Wytse Vellinga and Björn Staschen, Kindle e-book, March 2018
- ❑ MOJO: The Mobile Journalism Handbook: How to Make Broadcast Videos with an iPhone or iPad,- Ivo Burum and Stephen Quinn, Focal Press, 2015
- ❑ The Live-Streaming Handbook: How to create live video for social media on your phone and desktop- Peter Stewart, Routledge, 2017
- ❑ Handbook of Digital Journalism: Perspectives from South Asia, Dahiya, S., & Trehan, K. (2024). Springer, Singapore.
- ❑ Digital First: Entrepreneurial Journalism in India, Dahiya, S. (2023). Oxford University Press, UK.

वेबसाईट:

http://www.mojo-manual.org/mobile-journalism-reading-resources/

http://www.shoulderpod.com/mobile-journalism

****

इंटर्नशिप रिपोर्ट **क्रेडिट:2**

☞ दूसरे सेमेस्टर के अंत में प्रत्येक विद्यार्थी को अनिवार्य रूप से किसी अन्य मीडिया संगठन के साथ एक महीने (1 अप्रैल, 2025 से 30 अप्रैल, 2025 तक) इंटर्नशिप करनी होगी और इंटर्नशिप की अवधि के दौरान अपने प्रदर्शन पर संबंधित संगठन से प्रमाण पत्र प्राप्त कर विभाग के सम्मुख प्रस्तुत करना होगा।

नोट

भारतीय जन संचार संस्थान (सम विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110067

डॉ. प्रज्ञा पालीवाल गौड़ कुलपति, भारतीय जन संचार संस्थान (सम विश्वविद्यालय)	**डॉ. निमिष रुस्तगी** कुलसचिव, भारतीय जन संचार संस्थान (सम विश्वविद्यालय)
डॉ. राकेश उपाध्याय पाठ्यक्रम निदेशक, भारतीय भाषा (हिन्दी) पत्रकारिता विभाग भारतीय जन संचार संस्थान (सम विश्वविद्यालय) मोबाईल नं.- 7838944419	**डॉ. कुमार प्रियतम** अकादमिक-सह-शिक्षण सहयोगी, भारतीय जन संचार संस्थान (सम विश्वविद्यालय) मोबाईल नं. - 9340262670
कार्यालय सहायक धर्मवीर वर्मा मोबाईल नं. - 8787207299	

सत्यमेव जयते

भारतीय जन संचार संस्थान
Indian Institute of Mass Communication
(Deemed to be University)

भारतीय जन संचार संस्थान

समविश्वविद्यालय

जेएनयू न्यू कैंपस, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली-110067